चट्टान से सर्वदा प्रदान होने वाला जल

हम आज सुबह प्रभु परमेश्वर की उपस्थिति के लिए आभारी हैं, जो हमें एक संदेश देने के द्वारा आरंभिक सभाओ को आरंभ करेगा, कि—कि हमें उसके सामने "सुनना, आदर करना" चाहिए, कि उसके पास हमसे कहने के लिए कुछ है। मैं निश्चित हूं कि वह वही करेगा जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है। वह हमेशा ही अपने वचन को पूरा करता है। और इसलिए हम एक साथ इकट्ठे होने के लिए आभारी हैं, जीवित, और आज सुबह अनंतता के इस ओर, और फिर से प्रभु की आराधना कर सकते है, और खुद को एक साथ इकट्ठा करके और उससे सुन सकते है। यही कारण है कि हम एक साथ आए हैं, जो इसी उद्देश्य के लिए है।

2 अब, मुझे एक प्रकार से भाई नेविल पर आज एकाएक क्रोध आ गया, क्योंकि मुझे एक अलग ही स्वप्न आया था। कि... मैं विश्वास करता हूं... मैं... स्वप्न में। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर लोगों के साथ सपनों के द्वारा व्यवहार करता है। और मैंने एक बहुत ही असामान्य सपना देखा, परसो रात को। कि, मैं एक पहाड़ी के किनारे पर जा रहा था, किसी पहाड़ी के किनारे पर, एक खाने के स्थान पर जा रहा था, जहां पर मुझे अपना—अपना रात्रि भोज करना था। और मैंने इस बात पर ध्यान दिया, जैसे–जैसे मैं उस स्थान के नजदीक पहुंच रहा था, वे संगीत को बजा रहे थे, एक आर्केस्ट्रा संगीत बजा रहा था, वायलिन बजा रहे थे, और लोगों का मनोरंजन कर रहे थे जब वे खा रहे थे। और इसके बारे में कुछ तो था जो मुझे पसंद नहीं था, सो मैंने बस उस चीज को छोड़ दिया। और मैं किसी से मिला जो पहाड़ पर आ रहा था। और मैंने देखा, और बहुत से लोग पहाड़ी पर इस खाने के स्थान पर आ रहे थे। लेकिन मैं एक तरह से उनसे दूर हो गया, वापस मुड़ गया दाहिनी ओर, या, बाईं ओर।

3 और किसी तरह से, नीचे घाटी में आ गया, मैं आराधनालय को देख सकता था। मैंने किसी की आवाज को सुना, कहा, "भाई ब्रंहम से मिलो, फलां–फलां चौराहे पर। वह वहां ऊपर पहाड़ी से नीचे आ रहे है। और उन्हें

ऐसी–ऐसी बात को बताओ।" और मैंने इस चौराहे पर जाने के लिए जल्दी करने लगा।

4 और जब वह व्यक्ति ऊपर आया, तो यह भाई नेविल थे जो अपने भूरे रंग के सूट को पहने हुए थे, वो ऐसा लग रहे थे जैसे वह आज सुबह वहां बैठे हुये दिखाई दे रहे है। और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, यदि आप शहर में जा रहे हैं," कहा, "आपके लिए यह एक—एक अच्छी बात होगी कि आप वहां पर आ जाये, क्योंकि भाई हैंक... " अब, केवल एक ही मैं जानता हूं, भाई हैंक, भाई हेनरी कार्लसन हैं, हम उन्हें हैंक कहते हैं। कहा, "वह सोच सकता है कि यह अजीब बात है कि यदि आप शहर के आसपास जा रहे हैं तो आपने आराधनालय का अधिक दौरा नहीं किया, या शहर में कुछ दिनों के लिए।" मैं जाग उठा।

5 और, उस पर, मुझे एक अजीब सा अनुभव हुआ। मैं सप्ताह के उस समय में शामिल नहीं होना चाहता था, जब तक मैंने भाई नेविल से नहीं पूछ लिया कि क्या उनके पास आज सुबह कलीसिया के लिए कुछ विशेष है। सो वह अनुग्रहकारी था, हमेशा की तरह, कहा, "आ जाए।" तो, हम अभी आये हैं। मैंने उन्हें कल दोपहर बाद फोन किया, और आज सुबह आया, अप्रत्याशित रूप से हम में से किसी के लिए भी।

6 अब मैं विश्वास करता हूं कि पहले मेरे लिए यह एक अच्छी बात होगी, बस एक प्रकार से कि—कि आपको कुछ बातों को समझाऊं। मैं सोचता हूं, मैं बहुत से लोगों के लिए एक बहुत ही विचित्र व्यक्ति हूं। और मैं अपने आप में भी एक प्रकार से विचित्र हूं। क्योंकि, मैं पवित्र आत्मा की अगुवाई का पालन करने की कोशिश करता हूं, जितना मैं कर सकता हूं। और यह हमें विचित्र बनाता है, देखो। हम उन चीजों को करते हैं जो हम—हम वास्तव में बैठते हैं और कभी–कभी सोचते हैं, "मैंने ऐसी चीज क्यों किया? मैंने कभी ऐसी एक चीज को कैसे किया?" और ठीक तब आप सोच सकते हैं कि आपने बिल्कुल ठीक वही किया है जो आपको नहीं करना चाहिए था। लेकिन यदि आप बस धीरज धरेंगे, और आपके पास विश्वास है, और आपको पक्का है कि परमेश्वर ने आपको इसे करने के लिए अगुवाई की है, आप पाएंगे कि यह बिल्कुल ठीक काम करता है। देखा? और बहुत सी बार हम ऐसा पाते हैं। और मैं जानता हूं कि भाई नेविल ने बहुत बार ऐसा ही पाया है। और अगुवाई करने वाले और आत्मिक लोग इसे अनुभव करते है।

7 यह मेरे जीवन में कुछ समय रहा है कि... खुले रूप से, तब की बात है मैं बस एक लड़का था, मैंने कभी भी नेतृत्व को महसूस नहीं किया है कि मुझे जेफरसनविले में—में रहना चाहिए। यह हमेशा से ही मेरे लिए मरहम में एक मक्खी की तरह रहा है, कि यहां रहने की कोशिश करूं। पहली बात तो यह है, मौसम मेरे लिए बुरी तरह से उपयुक्त नहीं है। एक और बात, ऐसा प्रतीत होता है कि आत्मा निराशात्मक हो रहा है।

8 यदि आप वापस जाकर और यहां कहीं तो देखे, क्या यह बाढ़ के समय के दौरान नष्ट नहीं हुआ, इस आशय का एक पत्र मेरे पास था, पहली बार सेवकाई में बुलाया गया, मैं जाने लगा। और भाई जॉर्ज डीआर्क और मैं...

9 और भाई ग्राहम स्नेलिंग की मां, भाई हॉकिन्स जो न्यू अल्बानी में पेट्रोल पंप चलाते हैं, और बहुत से लोगों ने, मुझसे यहाँ पर एक छोटी सी प्रार्थना सभा के स्थान के बाहर भेंट की। और यहाँ तक कहा, यदि मैं रुकता हूँ, तो वे अपने बच्चों को मेज पर भत्ता या वेतन देंगे, ताकि—ताकि एक आराधनालय को बनाये, इसलिए उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर लेकर नहीं जाना होगा।

10 जब मैंने उस छोटी मां की बात को सुना, एक बालक उसके हाथ को पकड़े हुए थी और दूसरा उसके हाथ में था, कि वह अपने बच्चों को मेज पर वेतन पर रखने के लिए तैयार होगी, ताकि एक ऐसे स्थान का निर्माण कर सके जहां पर वे रुक सके और आराधना कर सके, ये मेरे लिए थोडा मुश्किल था कि खड़ा रहूं। इसलिए भाई जॉर्ज और मैंने एक साथ मिलकर निर्णय लिया कि हम इस पर बने रहेंगे और आराधनालय का निर्माण करेंगे।

11 और जब आराधनालय बनाया गया था, तो यह हमेशा प्रतीत होता है... जिस सुबह को मैंने आराधनालय को समर्पित किया, एक दर्शन आया, जिसमें लिखा हुआ है और वहां कोने के पत्थर में, जब पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा, "यह तुम्हारा आराधनालय नहीं है।" देखा? और मैंने पूछा मेरा आराधनालय कहाँ पर था, और उसने मुझे उस उज्ज्वल नीले आकाश के नीचे बैठा दिया। और फिर उसने कहा, "एक सुसमाचारक के काम को करो," और इत्यादि, जैसा कि आप जानते हैं। इस बात को किताबों में भी लिखा है।

12 उन सारी चीजों को एक साथ रखा। और एक दिन जब मैं वहां घास के मैदान में घास काट रहा था, जहां अब भाई वुड रहते हैं, और मेरी सास

उस समय वहां पर रहती थी; मैं पीछे की सीढी पर बैठ गया, जो एक छोटी सी पुरानी सीमेंट की सीढी थी, जिस छोटे से स्थान को मैंने अपनी सास के लिए वहां बनाया था। और वह उस समय कलीसिया की एक प्रकार से देख भाल करने वाली थी, इसकी देखभाल कर रही थी। और उतना ही स्पष्ट जितना कोई भी बोल सकता है, एक आवाज ने मुझसे बात की, कहा, "मैं तुम्हें कभी भी आशीष नहीं दे सकता जब तक तुम यहां पर रहते हो। तुम्हें अपने आप को अपने लोगों से और इस स्थान से अलग करना होगा।" तो ठीक है, मैं, इस बात ने मुझे लगभग एक सप्ताह या उससे अधिक समय के लिए टुकड़े–टुकड़े कर दिया।

13 लगातार, हर समय, किसी चीज ने मुझे चेतावनी दी, "चले जाओ, चले जाओ। पश्चिम की ओर चले जाओ। पश्चिम की ओर बढ़ते रहो।" तो, मैं... यह मुझे हमेशा ही चिंतित करता है। और हर बार ऐसा दिखाई देता है...

14 अब, मैंने इस बात को साफ़–साफ़ से अपने मन में ठान लिया था कि इस सप्ताह मैं ट्यूसान के लिए उड़ान भर रहा था, जहां मुझे एक स्थान किराए पर लेना था, इस सर्दी में वहां पर रहने के लिए; बच्चों को स्कूल में डालना था, जो सितंबर से आरंभ हो रहे थे। मेरे पास स्थान था। यहां तक मुझे वहां एक स्थान दिया गया था। लेकिन वहां कुछ तो है... और—और यदि मैं दूर चला जाता हूं...

15 एक और बात जो मैं कहना चाहूंगा। इससे पहले कि हम इस घर को यहां बनाये, वो पास्टर के रहने का स्थान, जहां यह अभी है, मैं वहां नहीं बनाना चाहता था। मेरी पत्नी की मां बूढी थी। और वह यहाँ तक इसके विषय में रोती भी थी, उसने कहा, "मैं बस माँ को यहाँ नहीं छोड़ सकती, यह जानते हुए कि वह बूढ़ी है, और हो सकता है उसकी देखभाल नहीं की जाए।" तो, मैं इसे समझ गया। मैं समझता हूं। क्योंकि उसकी मां है, और वो वही एकमात्र मां जो उसके पास हमेशा से थी, या कभी होगी। तो, मैं इसे समझ गया। इसलिए मैंने—मैंने प्रभु से प्रार्थना की, मैंने कहा, "प्रभु, क्योंकि मैं इस स्थान को पसंद नहीं करता," मैंने कहा, "मुझे संतुष्ट करे। मैं कहीं भी चला जाऊंगा, जहां आप चाहते हैं कि मैं जाऊं, कहीं से भी। लेकिन मैं अपनी पत्नी को दुखित नहीं करना चाहता, कि उसे यहां से दूर ले जाऊं, एक अपरिचित देश में जहां पर वह किसी को नहीं जानती है।

और फिर मैं कुछ भी हो हर समय चला जाता हूं। बस मुझे उसके साथ होने के लिए संतुष्टि दे।"

16 और अब, जब उसकी मां को उठा लिया गया है, और वह महिमा में चली गई है, तब यहां फिर से दबाव आता है, देखो, अब आगे यहाँ से आगे बढ़ो। मैं नहीं जानता कि क्या करना है।

17 और फिर उस दिन जब यह सिद्धांत जो भाइयों ने वहां आरंभ किया था, पिछली बार जब मैं यहां पर था, मैं पुलपीट से खड़ा हुआ था और आपको बताया था कि मैं प्रचार के कार्य पर नहीं रहूंगा जब तक यह चल रहा था। इसलिए, भाइयों ने अनुग्रहपूर्वक उस सब सुलझा दिया था। यह सब साफ हो गया है। चौबीस घंटों के भीतर, यह सब खत्म हो गया था।

18 अब यह मेरे लिए फिर से प्रचार के काम को खोलता है। मैं नहीं जानता कि क्या करना है। मैं नहीं जानता कि किस ओर मुड़ना है। मैंने प्रभु से दर्शन के लिए मांगा है। मैंने उससे कहा है कि मुझे बताये कि क्या करना है। लेकिन वह मुझे बस बैठने के लिए कहता है।

19 अब, पिछली रात्रि जब मैंने सारे बालकों को दूर भेज दिया, मेरी पत्नी और सभी को, घर से दूर, मैंने प्रभु परमेश्वर से एक वादा किया। और मैंने प्रभु परमेश्वर से कहा, "जिस मार्ग से मैं जाता हूं यदि आप मुझे आशीष देंगे, तो मैं आपकी सेवा करूंगा। लेकिन आपको मुझे दिखाना होगा कि कहां जाना है, और कैसे जाना है, और क्या करना है।" इसलिए, मैंने अपने आप को प्रभु को समर्पित किया। सेवकाई और सभी के साथ—साथ, मैंने इसे प्रभु को समर्पित किया। और मैंने कहा, "जहाँ भी आप खोलोगे, आप जो कुछ भी करेंगे, मैं उसी मार्ग में चलूंगा। जब तक आप एक मार्ग को नहीं बनाते, मैं तब तक निरंतर चलता रहूंगा जैसे मैं चलता हूं जब तक आप मार्ग को नहीं बनाते।" और मैंने उससे इसे इतना स्पष्ट करने के लिए मांगा कि मैं तब धोखा नहीं खाऊं, क्योंकि मैं वास्तव में विश्वास करता हूं कि हम कुछ घटित होने के लिए ठीक चौराहे पर हैं।

20 मैंने सुना है कि आज सुबह यहां भाई नेविल के द्वारा भविष्यवाणी की गई थी, या इसे दिया जहां मैं जानता था कि यह—यह एक भविष्यवाणी थी जिसका वो उल्लेख कर रहे थे। अब, इसलिए, मैंने आप सभी के लिए प्रार्थना की है, और मैं चाहता हूं कि आप सभी मेरे लिए प्रार्थना करें, जिससे कि पवित्र आत्मा मेरी अगुवाही करे बिल्कुल ठीक जहां मुझे जाना चाहिए,

मुझे क्या करना चाहिए, सो मैं कोई गलती नहीं करूं।

21 आप देखते हैं, बहुत सी बार, लोग सोचते हैं कि एक भविष्यवाणी का दान, कि परमेश्वर बस कहता है "मैं तुम्हें ठीक *यहां* पर से उठाकर, और तुम्हें *यहां* बैठाऊंगा। अब तुम सीधे *यहाँ* पर जाओ।" और वह आपको उन सारी बातों को नहीं बताता है। यदि उसने बताया, तो आपके पास कौन सा जय पाने वाला विश्वास था? समझे? देखो, आप, वह आपको किसी की भी तुलना में अधिक अकेला खड़ा होने देता है। समझे? आप सब मेरे पास आकर और किसी चीज के लिए पूछ सकते हैं, और वह अभी तक कभी भी असफल नहीं हुआ है, लेकिन वो आपको उत्तर देता है। यह सही है। जी हां। लेकिन मैं उससे अपने लिए चीजों को पूछ सकता हूं, और बहुत सी बार उसने मुझे अकेला छोड़ दिया, देखो, बस मुझे आगे जाने देता है और इसमें चलने देता है।

22 मेरे पास अब चीजें हैं जो मुझे खुद को ही हल करना है, और मुझे निर्णय को लेना है। और यह इतना महत्वपूर्ण है, इतना तक मैं इसे बिल्कुल भी नहीं कर सकता जब तक मैं निश्चित नहीं हो जाता कि यह वही है जो मुझसे बात कर रहा है। और मैं—मैं... वह मुझे दर्शन नहीं देता। वह मुझे ऐसे ही छोड़ देता। सो मैं बस एक अनाथ की नाई बैठा हुआ हूं, जैसे, आज सुबह, मैं—मैं नहीं जानता कि किस ओर मुड़ना है। इसलिए, मैंने इसे प्रभु को सौंप दिया है।

23 मैंने—मैंने तब ऐसा महसूस किया, कि सपने में, मुझे यहाँ वापस आराधनालय में आना चाहिए और भाई नेविल की सहायता करूं जब तक कि रास्ते में कुछ और दिखाई ना पड़ता। इसलिए, मैं साथ-साथ जाऊंगा।

24 मैंने कुछ समय पहले भाई नेविल से पूछा, "कलीसिया कैसे प्रगति कर रही थी? "

और उन्होंने कहा, "अच्छी।"

25 और इसलिए मैंने सुना है कि आपके पास अब भी आपके बीच आत्मिक दान और चीजें हैं, जो कार्य कर रहे है, भविष्यवाणी के दान, और—और अन्य जुबान में बोलना, और अन्य भाषाओ का अनुवाद करना, जिसे हमने अभी कुछ समय पहले सुना था। और वे चीजें कलीसिया के लिए उन्नति कर रही हैं, और अच्छी तरह से कर रही है।

26 लेकिन मैंने सोचा, हो सकता है आज रात मैं हो सकता है, यदि भाई नेविल... यदि पवित्र आत्मा हमें किसी भिन्न बात की ओर अगुवाई नहीं करता है, तो आज रात मैं चाहता हूं कि एक... आप सब, इससे पहले कि आप इस सुबह को छोड़कर जाए, आप एक प्रश्न लिखे और इसे यहां पर रख दे, आपके मन में कुछ प्रश्न है, जिससे कि हम पता लगा सके कि कलीसिया क्या सोच रही है। इसी तरह से पास्टर को यह पता चलता है कि लोगों के ह्रदय में क्या है। और आप में से हर एक जन जो एक प्रश्न के साथ है, इसे लिखें और इसे यहां पर रख दे। यदि आपके पास इस सुबह को लिखने के लिए—के लिए कागज का टुकड़ा नहीं है, तो जल्दी से इसे आज रात को लिख ले। इसलिए, मैं चाहूंगा कि मेरे पास जितना समय हो सके, उन प्रश्नों पर, उन्हें देखने के लिए और वचन के अनुसार आपको उत्तर दूं।

27 तब यदि प्रभु ने चाहा, यदि यह परमेश्वर की इच्छा है, मैंने यहां एक बात को कहा था ज्यादा समय नहीं हुआ, कि मैं आपसे सात अंतिम मोहरों पर बोलना चाहता हूं... प्रकाशितवाक्य के। अब यदि हम... मैं इस वर्ष उन सारे मोहरों में से होते हुए नहीं ले सका, क्योंकि यह प्रकाशितवाक्य के 6वें अध्याय से लेकर 19वें अध्याय तक—से होते हुए उन मोहरों में से होते हुए लेता है। लेकिन उनमें से मैं सोचता हूं पहले तीन या चार का उत्तर एक रात के अंदर दिया जा सकता था, हर एक मोहर के लिए एक रात होती है।

28 अब, यदि हम समझते हैं, देखो, जहां हम ठीक प्रकाशितवाक्य की किताब पर रुकते हैं, जहां कलीसिया को महिमा में ऊपर उठाया गया था, उसके बाद बाकी का यह यहूदियों के साथ व्यवहार कर रहा है, कलीसिया के साथ बिल्कुल भी नहीं। यह यहूदी राष्ट्र के साथ व्यवहार कर रहा है। इसलिए हमें वापस जाना होगा, कलीसिया के रेपचर से लेकर, और... हम यहां देखते हैं कि उन मोहरों के दौरान क्या बात जगह लेती है, और अन्यजाति कलीसिया का समय। कलीसिया जा रही है; और इस्राएल राष्ट्र के साथ, यह पीछे की ओर वापस जाता है और इस्राएल को उस समय से लेकर आता है, जब उसने उनके साथ छोड़ा था, आधुनिक समय तक; और आने वाला मसीहा, जब वे मसीह को ग्रहण करेंगे।

29 अब आपने इसे समझा? कलीसिया उठा ली जाती है। परमेश्वर ने पहले कलीसिया के साथ व्यवहार किया, कलीसिया युगों में। हमने इन

बातों को लिया है। तब कलीसिया को महिमा में ऊपर उठा लिया जाता है। तब पवित्र आत्मा वापस जाता है और इस्राएल को लेता है, एक राष्ट्र के रूप में। और इसे यहाँ इतना दूर तक लेकर आता है, जब कि विवाह का भोज चल रहा है, और फिर उस समय के अंत में उन्हें फिर से वापस लाता है। मैं अपने ब्लैकबोर्ड को ऊपर रखूंगा, और समय आने पर मैं इस पर चित्र को बनाकर और इसे सिखा सकूँगा। तब प्रभु दुल्हन के साथ वापस आता है, और इस्राएल उसे देखता है। और, ओह, वो क्या ही समय होगा!

30 अब, इससे पहले कि हम इसे सही तरह से जोड़ सके, वहां पर एक बड़ा विषय है, जो धर्म ज्ञानियों और बहुतों के लिए ठोकर का कारण है, और वे शिक्षक इस युग में से होते हुए आये है, और मसीह की कलीसिया के लोग और वे जो इसे सुनने के लिए आ रहे हैं, जो कि दानिय्येल के सत्तर सप्ताह है। हमारे पास... हम प्रकाशितवाक्य में और आगे नहीं जा सकते हैं जब तक हम दुल्हन और इस्राएल को दानिय्येल के सत्तर सप्ताहों के साथ एक साथ नहीं जोड़ देते हैं। और हो सकता है, यदि परमेश्वर ने चाहा, ताकि यदि वह भविष्य में मुझसे बात करे, कि इन सत्तर सप्ताहों में से कुछ पर बोले... या, मतलब सत्तर सप्ताह नहीं, लेकिन सात अंतिम मोहरो पर। फिर अगले रविवार, मैं अगले रविवार को दानिय्येल के सत्तर सप्ताह को लेने की कोशिश करूंगा, प्रभु ने चाहा तो। और तब यह पृष्ठभूमि को खोल देगा, यदि वो दूसरे विषय को आरंभ करने के लिए हमारी अगुवाई करता है। तो ठीक है, हम तब से लेकर आगे पता करेंगे।

31 भाई नेविल और मैं इस पर एक साथ मिलकर काम करेंगे, और वो सब कुछ कर रहे हैं जो हम लोगों के लाभ के लिए कर सकते हैं।

32 अब, हर बार वापस जाते हुए, हम बीमारों के लिए प्रार्थना करते हैं, हम हमेशा ही ऐसा करने में प्रसन्न होते हैं। और सम्भव है मैं इसे हर सभा में करूंगा, यदि लोग बीमार हैं, तो उनके लिए प्रार्थना करें।

33 मैं और अधिक विचारो को परखने की इच्छा नहीं रखता। देखो, अब यहाँ क्या हुआ। मैंने कोशिश की है। और मैं जानता हूं कि मैंने उन चीजों को किया है जो गलत है; लेकिन मैंने हर समय परमेश्वर के बहुत ही नजदीक रहने की कोशिश की है, परमेश्वर के लिए, इसी तरह से ये दर्शन घटित होंगे, ऐसे ही वे जगह लेंगे। यहां तक कि लोग भी चीजों को खो देते हैं, और मुझे फोन करते हैं, मुझसे कहते हैं कि मैं जाकर प्रभु से प्रार्थना करूं,

यह पूछने के लिए कि वो चीज कहां पर है। जैसे यिशै ने खच्चरों को खो दिया, और वे लड़के भविष्यवक्ता को खोजने के लिए वहां नीचे गए, और उसने उन्हें बताया कि खच्चर कहां पर थे, वे घर लौट आए है। इस प्रकार से इत्यादि, यह पूरी तरह से सही था। लेकिन इसे बहुत कुछ मिलता है, बहुत सारे लोग... ना ही केवल इस तरह के स्थानिक क्षेत्र में; यह विश्वव्यापी है, देखिये। तो इससे बस ऐसा होता है, मुझे बहुत ही तोड़ कर रखता है, और फिर आपको ठीक हर समय किनारे पर रख देता है, जब तक कि यह एक स्थान पर नहीं पहुंच जाता...

34 और यही कारण है कि भाइयों ने सिद्धांत को आरंभ किया, कि मैं देहधारी प्रभु यीशु मसीह था। और हम जानते हैं कि यह सेवकाई को बस टुकड़े–टुकड़े कर देगा, और मसीह और हर एक चीज पर निंदा को लाएगा। समझे? इसलिए यही कारण है कि मुझे उन्हें एक बड़ा झटका देना था, ताकि इसे तुरंत ही रोक दे, उन्हें यह बताने के लिए कि यह परमेश्वर की ओर से नहीं था, यह शैतान की ओर से था। समझे? और वे अच्छे लोग हैं। और इसने दिखाया कि वे लोग परमेश्वर के आत्मा से फिर से जन्मे हैं, क्योंकि, जब उन्होंने वचन के द्वारा सत्य को देखा, तो वे ठीक परमेश्वर के पास वापस आ गए, तुरंत ही, देखो। इसलिए, यह दर्शाता है कि यह शैतान था जो लोगों के साथ कुछ तो करने की कोशिश कर रहा था; वे सब धर्मी, मसीही लोग थे।

35 और इस बात ने उनमें से बहुतों को मुझ से कहने को लगाया, "भाई ब्रंहम, हमें अब आप पर अधिक विश्वास है, जितना हमने कभी किया था।"

36 क्योंकि देखो, क्या, उस दान के साथ जो परमेश्वर ने मुझे दिया है, मैं इसके साथ क्या कर सकता था? राष्ट्र को या, लोगों को मेरे कदमों पर गिरा दिया। जिसे हम *एक राष्ट्र* कहते हैं, वह यहां सारा "जगत" नहीं है, वो—वो लड़ाई में बली का बकरा और इत्यादि। मेरा मतलब मसीही लोगों से है, वो सच्चे विश्वासी, यही वो मुख्य है... हम *राष्ट्र* की बात करते हैं, हम "फिर से जन्मे लोगों," का प्रचार करते हैं, यही है जिसके बारे में हम बात करते हैं, राष्ट्र। ना ही बस यहां हर एक जन, जो बहुत ही गंदा और कचरा है जो कि हम दुनिया में रह रहे हैं, यह तो बस—यह तो बस धरती की मिट्टी है जो वापस उसमें जा रहे है। मैं तो फिर से जन्मे मसीहों के बारे में बात कर रहा हूं, वे लोग जो सच्चे मसीही हैं।

37 मैं एक मनुष्य की प्रतीक्षा कर रहा हूं कि वह मुझ पर फिर से किसी चीज के लिए छलांग लगे। ज्यादा समय नहीं हुआ कोई मेरे पास आया, और कहा, "उसी विचार से, मसीह का धरती पर थूककर, उसकी थूक से, और मिट्टी से टिकिया को बनाकर और किसी की आंखों पर लीपना।" कहा, "यह कितना गंदा, मलिन था, उसके लिए वहां थूकना, उसके मुंह से थूक के साथ बनाना! यह कितना गंदा था कि मिट्टी में थूके और मिट्टी की टिकिया बनाकर और मनुष्य की आंखों के ऊपर लगा दे।"

मैंने कहा, "लेकिन वह दृष्टी को पाकर वापस आया।" देखो, ऐसा ही है।

38 और वही मनुष्य! उन्होंने वहां मेरे स्थान के पास ही एक नंगेपन के शिविर को खोला है, आप जानते हैं, वो स्विमिंग पूल। और—और उस व्यक्ति के पास उसके हर एक बच्चे के लिए टिकट है कि वहां जाकर और उस तालाब में तैरे। और वह और उसकी पत्नी भी उस तालाब में जाते हैं। मुझे क्षमा करें, मेरी बहनों। लेकिन जहां वे स्त्रियां वहां तैरती है, उनमें से लगभग सौ, या दो सौ, हर दिन; स्त्रियां, वह सारी गंदगी और इत्यादि, और आज की स्त्रियां, और उस पानी में इधर–उधर नहाती है, जो गंदगी उनके मुंह में और मलिनता जाती है, और इसे निगलते और थूकते है। मैं बस चाहता हूं कि वह मुझ पर छलांग लगाये, देखा।

39 उन्होंने कहा, "यदि—यदि मसीह आज जीवित होता, तो वे उसे उस गंदगी के कारण गिरफ्तार कर लेते।"

40 *इसके* बारे में किस तरह से है? मुझे यकीन है कि आप समझ गए होंगे कि मेरा क्या मतलब है। वे ठीक उसी तालाब में जाते हैं, और उनमें से बहुतों को बीमारियाँ है, यौन संबंधित फैलने वाली, यौन संचारित बैक्टीरिया, और इत्यादि होती है, वे ठीक वहाँ तालाब पर होते है। और बस इसे अपने मुंह से थूकते हुए, और हर चीज इस तरह से, और वहां इस तरह से नहा–धो रहे है। और निश्चय ही क्या यह स्वच्छता है?

41 इसलिए, ओह, प्रभु, इसी दिन में हम रह रहे हैं, भाईयों, बहनों! यह प्रभु के आगमन का समय है! और कलीसिया के पास एक आशा है, और वह है प्रभु का आगमन।

42 खैर, मैं उन चीजों को नहीं रोक सकता; कोई आवश्यकता नहीं है। बाईबल ने भविष्यवाणी की है कि वे चीजें यहां होंगे। मैं उन्हें रोक नहीं

सकता। लेकिन मैं चाहता हूं कि मेरी आवाज स्वर्ग में दर्ज हो, कि मैं इसके विरोध में था, जब न्याय का समय आता है। मैं इसके विरोध में था।

43 मैं अब भी विश्वास करता हूं कि यह बाईबल परमेश्वर का वचन है। तब संसार में और कुछ भी नहीं है, इसके विपरीत, इसे कभी भी रोक सके। लेकिन यहाँ पर यह बाईबल, यह सत्य है, यह परमेश्वर का वचन है। इसलिए अब आइए हम हमारे—हमारे—हमारे जहाजों को खींच ले, और थोड़ी देर विश्राम के बंदरगाह के शांतिपूर्ण तट पर थोड़ी देर के लिए लंगर डालें। और—और हम कल कहीं तो जलयात्रा पर जा सकते हैं, लेकिन आइए हम अभी लंगर को डाले और हमारे स्वर्गीय पिता की आवाज को सुने जैसे वो हमसे अपने वचन के जरिये से बात करेगा, हम आज भरोसा करते हैं।

44 और आज रात, अब, आप तैयार कर ले आपके पास जो भी छोटा सा सवाल है। अब, ना ही ऐसा कुछ जो किसी को नुकसान पहुंचाने जा रहा हो। यदि आप ऐसा करते हैं, तो वह... मैं आरंभ से ही ऐसे एक प्रश्न का उत्तर नहीं दूंगा, देखो। लेकिन आप, *कुछ तो और*, कहते हैं, "तो ठीक है, अब, यदि मैं एक निश्चित चीज को करता हूं, तो क्या परमेश्वर कहता है कि हमें यह करना चाहिए? " या, आप जानते हैं, आपके ह्रदय पर छोटे–छोटे सवाल है। या, "भाई ब्रंहम, हमारे पास दान है जो हमारे बीच काम कर रहे हैं, और क्या हमें उन्हें *इस* तरह से संचालित करना चाहिए या *उस* तरह से? या, हमें क्या करना चाहिए? " कुछ तो जिसका उत्तर मैं आपको वचन में दे सकता हूं, आप देखो। थोड़ा सा कुछ तो लिखे। मुझे खुशी होगी। और यदि कोई प्नश्र नहीं है, तो मैं बस किसी प्रकार के विषय को ले लूंगा, और आज रात आपको प्रचार करूंगा, प्रभु ने चाहा तो। यह रविवार है, और मैं...

45 पिछले रविवार को मैंने भाई कौबल के पास जाना आरंभ किया। और मैंने इस कलीसिया की घंटी को सुना, और मैं बस बाहरी आंगन में ऊपर और नीचे चलने लगा। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सका। यही सब कुछ था। मैंने आपको सुना, इसलिए मुझे—मुझे—मुझे बस नीचे आना ही था।

46 सो आइये अब हम अपने सिरों को झुकाये और अपने रचयिता से बात करें, और फिर प्रार्थना के कुछ शब्द में। क्या किसी के पास विशेष विनंती है? बस अपने हाथों को ऊपर उठाये, बस कहे, "मैं... " बस इसे ज्ञात

कराये। परमेश्वर जानता है कि आपके ह्रदय में क्या है। अब बस अपनी विनंती को अपने मन में रखें।

47 परम पवित्र परमेश्वर, जिसने आकाश और धरती को अपने मुंह के वचन के द्वारा बनाया, अपने मन के विचारों के द्वारा, हम आपकी उपस्थिति में आते हैं, यीशु मसीह, हमारे प्रभु के जरिये से, कि जो कुछ आपने हमारे लिए किया है उसके लिए आपको धन्यवाद दें। और हम आपके बहुत आभारी हैं, प्रभु, आज सुबह, यह जानने के लिए कि हम कहां पर खड़े हैं, कि इस प्रातः हम किस स्थिति में है, और समय का इतिहास, और भविष्य जो आने वाला है। आज जानते हुए, कि परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, कि हम कलवरी के लहू में धोए गए हैं, कि हम अपने ह्रदय में विश्वास के साथ तैयार हैं, ताकि उससे मिले, यदि वो आज आ जाएगा। हमें कहना चाहिए, "अत:, प्रभु यीशु आ।"

48 और हम देखते हैं कि पाप बढ़ता जा रहा है, इतना तक कि यह संसार पाप के प्रभाव के नीचे डगमगाता हुआ दिखाई देता है। किस तरह से शराब पीना और जुआ खेलना, और व्यभिचार करना, और नग्नता, और, हे परमेश्वर, लोगों की गंदगी, और कचरा और मलिनता। और किस तरह से वे, यदि वे बस जान पाते, प्रभु! क्या वे लोग, जो उन छोटे–छोटे पुराने भ्रष्ट कपड़ो में इस तरह के वस्त्र को पहनते हैं, और वहां बाहर सड़क पर निकलते हैं, वे इस बात को जा जाये कि वे कुछ नहीं केवल कीड़े और मिट्टी है, कि हो सकता है एक और सप्ताह में कीड़े उस शरीर को खा रहे होंगे जिसकी वे बहुत महिमा कर रहे हैं? वे इस बात का एहसास करें कि टिड्डियां इसे खा लेंगी, और उनका प्राण उस ओर अनंतता में बिना परमेश्वर के, बिना मसीह के, बिना आशा के होगा, गहरी निराशा में डूबता हुआ, कि बस उसके आगमन पर नष्ट हो जाएगा? हे परमेश्वर, हमें चेतावनी की—की उन आवाजों को देना, जिससे कि हम हर एक प्राण को इस खतरे से आगाह कर सके कि वे आ रहे हैं।

49 आज हमारे साथ होना। हमें "बुद्धिमत्ता के शब्दों," को देना जैसा कि सुलेमान ने एक बार सभोपदेशक में कहा था, कि हम "बुद्धिमान निर्मित करने वाले," होंगे जिससे कि हम "इस सभा के लोगों के चरवाहे" हों। और हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि जैसा कि हम कहने के लिए शब्दों को ढूंढते हैं, कि वे—वे सर्वोतम रचना बने जो ह्रदय को पकड़ लें जो आज

सुबह यहां बहुत ही आवश्यकता में है।

50 हम आज इस गर्म छत के नीचे आकर और एकत्र नहीं हुए हैं, बस दिखावा करने के लिए, लेकिन हम यहां इसलिए आए हैं क्योंकि हम आपसे प्रेम करते हैं, और क्योंकि हम आपसे सुनने की इच्छा को रखते हैं। आप हमारे प्रिय हैं जिससे हम प्रेम करते हैं, और हम आपके वचनों को सुनना चाहते हैं। हम उसके लिए आभारी हैं जो हमने पहले ही सुना है। यह लंबे समय तक हमारे साथ बना रहेगा। अब हमें वह भाग दे जो आज हमारे लिए आपके पास है, जैसा कि हम आगे आपकी प्रतीक्षा में हैं। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं, और उसी के लिए। आमीन।

51 अब यह... [एक बहन अन्य जुबान में बोलती है, एक भाई अनुवाद को करता है—सम्पा।]

52 हम आत्मा की ओर से इन उमंगो के लिए आभारी हैं, वे हमें बताते हैं और हमें वचनों की ओर देखने की चेतावनी देते हैं कि हो सकता है कि पवित्र आत्मा आज हमसे बात करने जा रहा हो। और हम नहीं जानते कि उसके पास हमारे लिए अभी क्या–क्या रखा है, लेकिन हम यह जानते हैं कि अवश्य ही कुछ तो ऐसा है जिसे वह आगे लाने जा रहा है। हो सकता है आपके मन में एक प्रश्न हो, कि वह इसे वहां इसमें से होकर बोलेगा। वह इसे आज सुबह संदेश के जरिये से बोल सकता है। वह आज रात्रि सभा में बोल सकता है। वो, आज कहीं तो, वह कोशिश कर रहा है, ऐसा दिखाई देता है, किसी को चेतावनी दे ताकि वचनों को पकड़ ले।

53 अब लिखित वचन की ओर जाने के लिए, आइए हम निर्गमन की किताब में चले, संडे स्कूल के विषय के लिए।

54 क्या आपके पास बपतिस्मे की सभा है? [भाई नेविल कहते हैं, "नहीं, आज शाम छह बजे तक नहीं है।"—सम्पा।] नहीं। आज दोपहर छह बजे बपतिस्मे की सभा है।

55 आइए हम निर्गमन के 17वें अध्याय पर जाये, और 5वें पद से—से आरंभ करें, मैं सोचता हूं, निर्गमन के 17वें अध्याय का 5वां और 6वां पद।

> *और यहोवा ने मूसा से कहा, इस्राएल के वृद्ध लोगों में से कुछ को अपने साथ ले ले; और जिस लाठी से तू ने नील नदी पर मारा था, उसे अपने हाथ में ले कर लोगों के आगे बढ़ चल।*

देख, मैं तेरे आगे चलकर... होरेब पहाड़ की एक चट्टान पर खड़ा रहूंगा; और... तू उस चट्टान पर मारना, *तब उस में से पानी निकलेगा, जिससे ये लोग पीएं। तब मूसा ने इस्राएल के वृद्ध लोगों के देखते वैसा ही किया।*

56 अब यदि मैं इसे संडे स्कूल के छोटे पाठ को लेना चाहूंगा, मैं इसे इस प्रातः के पाठ के विषय के रूप में लेना चाहता हूं, *चट्टान से सर्वदा प्रदान होने वाला जल।*

57 हम जानते हैं कि इस्राएल हमेशा ही कलीसिया का एक ऐतिहासिक उदाहरण रहा है। क्योंकि, इस्राएल परमेश्वर के लोग थे, जब तक वे मिस्र से बाहर नहीं आए, और फिर वे परमेश्वर की कलीसिया थे क्योंकि वे बाकी के संसार से अलग हो गए थे।

58 और जब हम बाकी के संसार से अलग हो जाते हैं, उसके बाद हम कलीसिया बन जाते हैं। लेकिन जब तक हम बाकी के संसार के साथ फंसे हुए रहते हैं, तब हम कलीसिया में नहीं होते हैं। अब मैं भरोसा करता हूं कि यह वास्तव में गहराई तक जा रहा है, अपने स्थान को पकड़ता है। देखो, हम कलीसिया नहीं हैं जब तक हम संसार से अलग नहीं हो जाते। अपने आप को अलग करें, अशुद्ध लोगों के बीच से बाहर आ जाये, उनके साथ व्यवहार ना करे, और उनके पापों के भागीदार ना बने। अविश्वासियों के साथ जुए में ना जुतें, लेकिन अपने आप को संसार की चीजों से अलग करें।

59 और जब इस्राएल मिस्र में था, वे परमेश्वर के लोग थे। उसके बाद जब उन्हें बाहर बुलाया गया था, या निर्गमन हुआ था, बाहर आ रहे थे, तब वे कलीसिया कहलाये थे, क्योंकि ये तब हुआ था उन्होंने खुद को बाकी के संसार से अलग कर लिया था।

60 और उसी शब्द *कलीसिया* का अर्थ होता है "बाहर बुलाये गये।" *निर्गमन*, "बाहर आना।" हम में से हर एक जन, मसीही के रूप में, हमारे जीवन में एक निर्गमन हुआ है। हमारे पास एक समय था जहां हमें हमारे संगी–साथियों के बीच से बाहर बुलाया गया था, उन लोगों के बीच से बाहर बुलाया गया जिनके साथ हमने एक बार संगति की थी, और एक भिन्न लोग बन गए, ताकि भिन्न लोगों के साथ चले जिन्होंने एक भिन्न तरीके से व्यवहार किया और एक भिन्न तरीके से बात की। यह हमारे जीवन में

एक निर्गमन था।

61 बहुत ही अच्छा उदाहरण इस्राएल ने हमें दिया, जब परमेश्वर ने उन्हें बाहर बुलाया। उनके पास एक निर्गमन था, और उन—उन संसार के लोगों के बीच से बाहर आए, और परमेश्वर के लिए एक अलग किया हुआ राष्ट्र बन गया, एक विशेष लोग। वे दया के आसन की छाया के नीचे चले। वे उस महान अग्नि स्तंभ के द्वारा जीये और चले। और परमेश्वर ने उन्हें मिस्र में से निकाला, उस देश की ओर, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की थी।

62 और, इस निर्गमन में, उन्हें एक आत्मिक अगुवाई करने वाला दिया गया था, एक अगुवाई करने वाला, जो कि मूसा था, एक महान अभिषिक्त भविष्यवक्ता जो एक—एक महान मनुष्य था। वो एक धर्मी मनुष्य था, वह एक धर्मी मनुष्य जन्मा था। परमेश्वर ने उसे उसकी मां से बुलाया, यहाँ तक उस समय से भी पहले; परमेश्वर ने उसे जगत की नींव डालने से पहले ठहराया, उस पीढ़ी के लिए एक अगुवा बनने के लिए, ताकि लोगों के लिए इस निर्गमन को करे।

63 यहाँ कुछ समय पहले, मैंने यहाँ आराधनालय में छोटे बच्चों से बात की थी, और उनके लिए एक छोटा सा उपदेश दिया था; और बताया, या योकेबेद का एक छोटा सा उदाहरण देते हुए, कि उसने कैसे प्रार्थना की, वो और अम्राम, जो मूसा का पिता था, लोगों को छुड़ाने के विषय में कुछ करने के विषय में प्रार्थना की। और अम्राम ने दर्शन को देखा परमेश्वर खड़ा हुआ है, मतलब एक दूत खड़ा हुआ है, उत्तर की ओर संकेत करते हुए, और उसे बताया कि क्या बात जगह लेगी। और छोटे मूसा का जन्म हुआ था। और वे न तो राजा की आज्ञाओं से डरते थे, और न ही धमकियों से। वे जानते थे कि परमेश्वर का हाथ मूसा पर था, और इससे बात ख़त्म हो जाती है। यह सही है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि राजा ने क्या कहा, राजनीतिक संसार ने क्या कहा, किसी और चीज ने क्या कहा, वे जानते थे कि परमेश्वर का हाथ मूसा पर था। इसलिए वे उसे बाहर ठीक मगरमच्छों के बीच में छोड़ने से नहीं डरे; जब वे सब छोटे इब्रानी बालकों से मोटे हो गये थे, जहां उन्होंने उन बच्चों को मगरमच्छों को खिलाया था। और फिर भी मूसा को एक छोटी सी नाव में रखकर और सीधे मगरमच्छों के बीच में भेजा गया, ठीक उनके बीच में। क्योंकि, वे किसी चीज से नहीं डरे, वे जानते थे कि परमेश्वर का हाथ मूसा पर था।

64 तो ठीक है, अब, यदि हम बस उसी बात को जान पाते, कि हमारा महान अगुवा, पवित्र आत्मा, परमेश्वर ने उसे भेजा है, और वह हमारा अगुवा है, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि संसार क्या कहता है, और वे आप पर कितना हंसते हैं और आपका मजाक उड़ाते हैं, हम अपने अगुवे का अनुकरण करते हैं! परमेश्वर ने पवित्र आत्मा को हमारा अगुवा होने के लिए भेजा। देखा? "थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे फिर ना देखेगा। तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम में रहूंगा, संसार के अंत तक।" इसलिए, हमारा महान अगुवा हमारे साथ है, वो पवित्र आत्मा। अब हमें इस अगुवे का अनुकरण करना चाहिए और जैसा वह कहता है वैसा ही करना है। और यह अगुवा हमें कभी भी मार्ग से नहीं हटायेगा, वह हमें हर समय ठीक उस पवित्र वचन के मार्ग में बनाए रखेगा। लेकिन वो कभी भी किसी बात के लिए *एक* ओर नहीं जाएगा, और किसी और बात के लिए *इस* ओर। वह सीधे ठीक वचन के मार्ग पर बना रहेगा।

65 और मूसा के पास एक मार्ग था कि उसे इस्राएल को लेकर, और उसके बाद सीधे लाल सागर के पार जाना था, सीधे यरदन के पार, सीधा प्रतिज्ञा के देश में, सीधे जंगल में से होते हुए। ऐसा नहीं था कि मूसा रेखा–पंक्ति से बाहर हो गया था। ऐसा नहीं था परमेश्वर रेखा–पंक्ति से बाहर हो गया था। यह तो लोग थे जो रेखा–पंक्ति से बाहर थे, जो परेशानी का कारण बने। इसलिए, अब आइये हम इन बातों पर विचार करें। (मुझे क्षमा करें।)

66 मूसा, जो अभिषिक्त अगुवे के नाई था। अंत में, जब उसने लोगों को चिन्हों और अद्भुत कार्यो के द्वारा दिखाया, जो केवल परमेश्वर ही कर सकता था, उसने इन चिन्हों और अद्भुत कार्यो को इस्राएल के प्राचीनों के सामने किया, और इस्राएल के सामने, जब तक वे संतुष्ट नहीं हो गए कि यह मूसा ही वो अभिषिक्त था जो उन्हें इस देश से बाहर ले जाने वाला है, उस अच्छे देश के लिए जिसकी उनसे प्रतिज्ञा की गई थी। तब जब उन्होंने इन महान कामों को देखा जो मूसा ने परमेश्वर के नाम में किए, वे उसके पीछे चलने को तैयार हो गये थे। और उसने उन्हें बाहर निकाला, लाल सागर में से होते हुए उनकी अगुवाई की, उसे पार किया, वे सूखी भूमि पर थे, और जंगल की यात्रा में, जिसका अर्थ है परीक्षाओं का समय।

67 जब एक व्यक्ति मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करता है, तो हर एक चीज घर की छत पर होती है। लेकिन, इससे पहले कि

यह मनुष्य पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में आ सके, इस मनुष्य के लिए, उसके पास पहले एक पवित्रीकरण की प्रक्रिया होनी चाहिए। उसके जीवन में परीक्षा का समय होना ही है। आप सभी के पास यह था। उसके पास यह परीक्षा का समय था। "हर एक पुत्र जो परमेश्वर के पास आता है, पहले उसे कोडे दिये जाते है, ताड़ना दी जाती है, फटकार दी जाती है। और यदि हम ताड़ना को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, तो यह दिखाता है कि हम परमेश्वर की संतान नहीं हैं; हम व्यभिचार की संतान है, और परमेश्वर की संतान नहीं," बाईबल ने कहा। लेकिन यदि हम ताड़ना के लिए खड़े हो सकते हैं, यह जानते हुए कि "सारी चीजें मिलकर उनके लिए भलाई को उत्पन्न करती हैं जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं," तब हम परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां होते हैं, तब वह हमें पवित्र आत्मा से मोहरबंद करता है, हमारे छुटकारे के दिन तक के लिए। देखो, यही ताड़ना है, तनाव है, वो चीज जिसमें से होकर हम जाते हैं।

और इस्राएल, एक ऐतिहासिक नमूने के रूप में, इस ताड़ना को लेना था।

68 अब, जब वे वहां मिस्र में थे, और परमेश्वर ने मूसा को भेजा। और उसने लाठी को आगे बढ़ाया, और पिस्सू और जुएं जमीन पर आ गए। उसने सूर्य की ओर बढ़ाया, और वह नीचे चला गया। उसने इसे जल के ऊपर आगे बढ़ाया, और जल लहू में बदल गया। क्यों, इस्राएल कनान में था... वहां गोशेन में—में था, बस एक महिमामय समय था; सूर्य कभी भी अस्त नहीं हुआ, विपत्तियों ने उन पर कभी प्रहार नहीं किया; क्योंकि, उनके पास बस एक महिमामय समय था!

69 बिल्कुल वैसे ही जैसे आपका हुआ था जब आप पहली बार बचाए गए थे। हर एक चीज, पक्षियों ने अलग ही तरह से गाया, और हर कोई मधुर था। और, ओह, प्रभु, कैसे हर चीज बस बहुत ही बढ़िया थी जब आप पहली बार बच गए थे! तब परीक्षा का समय आता है, ताड़ना का, पवित्रीकरण का समय, अपने आप को संसार की चीजों से पवित्र करते हुए, "उस बोझ को एक ओर रखते हुए जो इतनी आसानी से तुम्हें घेर लेती है।" आप, एक मनुष्य, अपने धूम्रपान छोड़ना था, अपने शराब पीने को बंद करना था, अपने पूल रूम में जाना बंद करना, आपकी सारी रात की ताश के पत्तो की पार्टियों में। वे सारी चीजें, आपको अपने आप को उन

से पवित्र करना था, यीशु मसीह के लहू में विश्वास करने के द्वारा। अपने आप को पवित्र करते हुए! आप महिलाओं को अपने बालों को बढ़ने देना था, अपने कपड़ो को लंबा करते हुए, और आप जो थे उससे भिन्न व्यवहार करना था। पवित्र होने का समय! बहुत सी बार वे विद्रोह करते और वापस चले जाते है; तो ठीक है, ऐसे लोग परमेश्वर की संतान नहीं है, देखो। परमेश्वर की एक संतान सीधे कलवरी की ओर देखता है, और जानता है कि यह उसके भले के लिए है।

70 तो फिर समय की वह प्रक्रिया, वहां है जहां से इस्राएल में बड़ी गिरावट आती है। जब यह बड़ी भीड़–भाड़ का समय था, तब लोग गिरने लगे, एक पक्ष से दूसरी पक्ष की ओर। तब वे उनकी बातचीत में कहते है, "ठीक है, काश हम कि हम पीछे मिस्र में होते थे। हमारे प्राण इस हल्की रोटी से अप्रसन्न हैं।" दूसरे शब्दों में, यदि मैं इसे अब ऐतिहासिक रूप से लेता हूं, यही है जो उन्होंने कहा।

71 अब आधुनिक दिन में, यह ऐसा होगा, "ओह, हर बुधवार की रात, प्रार्थना सभा! हर रविवार की सुबह, वापस कलीसिया में! हम क्या सुनते हैं? वही चीज; प्रचारक खड़ा हो जाता है और प्रचार करता है; गीत गाते है; वापस जाते है।" देखो, तब आप बस कर्तव्य को पूरा करने के रूप में जा रहे हैं। आप एक आराधना करने वाले नहीं हैं। एक आराधना करने वाला वहां पर आराधना करने जाता है, अपने आप को अपने परमेश्वर के सामने व्यक्त करने के लिए, ताकि परमेश्वर की भलाई के लिए उसकी स्तुति करे; हर एक वचन के लिए, वह इस पर टिका हुआ है।

72 बिल्कुल जैसे एक प्रेम प्रसंग होता है। यदि आप एक लड़की के साथ जा रहे थे क्योंकि आप जानते है कि यह एक कर्तव्य है, या आप एक लड़के के साथ जाती थी, जब आप युवा थी। "माँ चाहती है कि मैं इस लड़के के साथ जाऊं, लेकिन मैं उस लड़के को बर्दाश्त नहीं कर सकती।" उसे आपसे मिलने आने का कोई मतलब ही नहीं उठता है। या, यदि ऐसी बात उसी तरह से लड़की के लिए लड़के के विषय में है, या लड़के को लड़की के विषय में। आप उसके साथ जाती है, वह आपको बोर करती है; माँ चाहती है कि आप उसके साथ जाये क्योंकि वह उस प्रकार की लड़की है जिसे माँ पसंद करती है। देखो, यह आपको बोर करता है; तो वहां कोई प्रेम संबंध की बात ही नहीं है। लेकिन आप परवाह नहीं करते, आप इस

बात को साफ नहीं करना चाहते, आप उससे मिलने नहीं जाना चाहते। और यह एक... क्यों, यह एक भयानक बात है। और जब वह आपसे मिलने के लिए आ रहा है, ओह, आप बस चाहते हैं कि वह जल्दी करे, वो घर चला जाए।

73 यह उसी तरह से है जब आप, "वह क्यों इतने लंबे समय तक प्रचार करता है? *इन* सारी चीजों के बारे में क्या है, और हर चीज के बारे में क्या है? " देखो, आप प्रेम में नहीं हो।

74 लेकिन जब आप वास्तव में हर एक वचन को कसकर पकडे रहते हैं, जैसा कि आज सुबह आत्मा ने आपको चेतावनी दी है, देखो, "हर एक वचन को कसकर पकडे रहो।" यही हो सकता है जिसके बारे में वो आपसे बात कर रहा हो। थामे रहो! परमेश्वर का हर एक वचन यह अनंत जीवन है। कलीसिया में किसी भी परिस्थिति में जाना आनंद की बात है। चाहे यह गर्मी हो, ठंडी हो, उदासीन हो, चाहे लोग वाद–विवाद कर रहे हो, क्रोध कर रहे हो, जो कुछ भी वे कर रहे हो, यह अब भी प्रभु के वचन को सुनने के लिए एक आनंद की बात है। तब आप मसीह के साथ प्रेम में होते हैं, देखिए, आप कलीसिया जाना पसंद करते हैं।

75 "तो, प्रिय, यहाँ यह फिर से रविवार की सुबह है, मैं सोचता हूं कि हमें बच्चों को नहलाना होगा और वहां पर जाना होगा। ओह, यह बहुत ही बोर सा लगता है!" देखो, आप प्रेम में नहीं हो।

76 लेकिन यदि आप वास्तव में प्रेम में हैं, तो आप बस रविवार की सुबह आने तक प्रतीक्षा नहीं कर सकते हैं, आपको तो बस उनके साथ वहां पहुंचना है। और हम पाते हैं, और जाने के लिए... परमेश्वर के लोग, वे आपको बोर नहीं करते। क्यों, वे—वे भाई और बहन है। जैसा कि मैं अक्सर कहता हूं, "आप एक ठंडी सुबह में ज्वार के गुड के समान गाढ़े हो जाते हैं।" यह—यह पिघलता नहीं है, यह बस एक साथ जम जाता है, आप जानते हैं, कसकर चिपक जाता है। अब, यह एक रूखा व्यक्त करना है, लेकिन यह—यह—यह आपको यह बताने की कोशिश कर रहा है कि मेरे कहने का क्या अर्थ है, आप देखो। आप एक साथ चिपके रहे। और यह जितना ठंडा होता जाता है, वे उतना अधिक गाढ़ा होता जाता हैं। और इसी तरह से इसे हमारे साथ होना चाहिए। ठंडा...

जब धरती के मित्रों ने छोड़ दिया,

अब भी और अधिक उसके साथ बंधे हुए है!

77 और जो हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं, इसलिए नहीं कि हम कोई है; लेकिन यह तो एक दूसरे में मसीह है, जिसे हम प्रेम करते हैं, आप देखते हैं। यह परमेश्वर है जो हमारे अस्तित्व में है, जिससे हम प्रेम करते हैं। अब हम एक साथ आना पसंद करते हैं। हम उस पुराने स्तुती गीत को गाया करते थे:

धन्य है वह बंधन जो बांधता है
हमारे ह्रदय को मसीही प्रेम में;
दयावंत मन की संगति
यह ऊपर के समान है। (देखा?)

दयावंत मनों की संगति
यह ऊपर के समान है।

हमारे पिता के सिंहासन के सामने,
हम अपनी प्रबल प्रार्थनाओं को सामने रखते हैं;
हमारे आशंकायें, हमारी आशाएं, हमारे उद्देश्य एक है,
हमारे आश्वासन और हमारे दायित्व।

78 समझे? जी हां, श्रीमान! जब किसी के पास आशीष होती है, तो हम सब इसके विषय में खुश होते हैं। जब कोई दु:खी होता है, तो हम उसके साथ दु:खी होते हैं। हम—हम सब एक साथ रहना चाहते हैं। अब इसी तरह से हमें होना चाहिए।

79 और इसी तरह से इस्राएल को होना चाहिए था। लेकिन यह बोझिल हो गया, "ओह, यह पुरानी हल्की रोटी!" दूतों की रोटी, "तो ठीक है, हम इस पुरानी हल्की रोटी के बारे में क्या चाह रखते हैं? हमारे प्राण इन चीजों से अप्रसन्न होते हैं! और हर एक चीज गलत है। और—और यह पुराना मन्ना जो हर रात गिरता है, क्यों, हमारे पास मिस्र से कुछ लहसुन और हरा प्याज होता।" आप देखिए, उनके ह्रदय यात्रा के लिए तैयार नहीं थे।

80 और जब एक पुरुष या एक महिला कलीसिया जाने के विषय में शिकायत करना आरंभ करते है, वे कलीसिया जाते–जाते इतने थक जाते हैं, वे यात्रा के लिए तैयार नहीं होते हैं। यह सही है। वहां कहीं तो कुछ गड़बड़ है।

81 ओह, जब आप परमेश्वर से प्रेम करते हैं, और सोचते हैं कि आप स्वर्ग जा रहे हैं, और आप सब एक साथ जा रहे हैं:

क्या ही संगति है, क्या ही दिव्य आनंद है,
सनातन की भुजा पर सहारा लिए हुए है;
ओह, क्या ही धन्य शांति मेरे प्रभु के साथ बहुत ही निकट है,
उसकी सनातन भुजा पर सहारा लिए हुए।

क्या ही... हम उन स्तुति के गीतों को गाये।

हम अपनी आपसी परेशानियां साझा करते हैं,
हमारे आपसी संबंध के बोझ को सहन करते हैं;
और अक्सर एक दूसरे के लिए बहते है
एक सहानुभूति के आंसू।

जब हम अलग हो जाते हैं,
यह हमारे भीतर दर्द को देता है;
लेकिन हम फिर भी ह्रदय में जुड़े रहेंगे,
और अगली प्रार्थना सभा के समय पर फिर से मिलने की आशा करता हूं। (जी हां, श्रीमान, अब भी ह्रदय से जुड़े हुए हैं!)

82 अब आप यात्रा के लिए तैयार हो रहे हैं, देखो, आप प्रतिज्ञा किये गये देश में जाने के लिए तैयार हैं। परीक्षा का समय, वहां खतरे की भूमि है; जंगल, परीक्षा का समय।

83 इस्राएल, उसके परीक्षा के समय में, वह आपस में झगड़ने लगे और एक दूसरे के साथ वाद–विवाद करने लगे, और रोटी पर अप्रसन्न होने लगे। और वे मिस्र में वापस जाना चाहते थे।

84 और तब वे उनके अगुवे के विषय में शिकायत करने लगे। ओह, वे डरते थे कि वो उन्हें भटका रहा था; जब उसने खुद को एक अगुवा होने के लिए दिखाया ऐसा उसके बाद था, और परमेश्वर ने साबित कर दिया था कि वह अगुवा था। "तो ठीक है, हो सकता है हमने थोडा कट्टरपंथी की तरह व्यवहार किया हो। और—और हो सकता है हम गलत कदम पर चले गए हो," या, ऐसा ही कुछ, देखो, वे परमेश्वर के विरुद्ध और मूसा के विरुद्ध बातें कर रहे थे, परमेश्वर और उसके अगुवे के विरुद्ध।

85 अब जब हम एक स्थान पर आते हैं, कहते हुए, "मैं नहीं जानता कि वचन का *ऐसा* अर्थ है या नहीं," और, "मैं पवित्र आत्मा के विषय में नहीं जानता; मैं इसके बारे में थोड़ा सा संदेह कर रहा हूं। मैं दूसरों को जानता हूं जो नहीं करते है।" तो ठीक है, मिस्र की ओर चले जाओ। समझे?

86 लेकिन यदि आप सचमुच मार्ग पर बने रहने के लिए दृढ़ हैं, तो इस अगुवे के साथ बने रहे, जो पवित्र आत्मा है, ठीक वचन के साथ बने रहे। और यदि आप आत्मा के साथ बने रहते हैं, तो यह आपको वचन में बनाए रखेगा। यह सही है। यह आपको सीधे पंक्ति में ले जाएगा, वचन के मार्ग में। और इससे डरो मत। यह कुछ भी हानि नहीं पहुंचाएगा, यदि आपको हानि पहुंचती है तो यह आपकी सहायता करेगा। यह सारी तकलीफ को चंगा करेगा, पवित्र आत्मा करेगा।

87 अब हम पाते हैं कि इस मार्ग के साथ–साथ, उनके इस प्रकार से हो जाने के बाद, वे होरेब के स्थान पर आते हैं। और एच–ओ–आर–ई–बी, होरेब, तब हम पाते हैं... आइए उस नाम को तोड़ते हैं। यही है जहां इस—इस *होरेब* नाम का अर्थ होता है "सूखा स्थान" या एक "रेगिस्तान।"

88 और जब हम कलीसिया में एक दूसरे के साथ संगति में से बाहर निकल जाते हैं, और पवित्र आत्मा की संगति में से बाहर निकल जाते हैं, यह हमें एक सूखे स्थान पर लेकर आता है, एक रेगिस्तान, कुछ भी जीवित नहीं है, उस हर चीज पर कांटे लगे होते हैं। देखो, एक—एक रेगिस्तान, कांटेदार फल का एक छोटा सा टुकड़ा उस पर वे कांटे लगे होते है। क्या आप जानते हैं कि यह क्या है? यही एक अनमोल छोटी कोमल पत्ती होती है जिसमें कोई पानी नहीं होता है, यह बस अपने आप को बुरी तरह आघात पहुँचातीं है इतना तक कि यह एक कांटेदार हो जाता है। और जब आप किसी को इस तरह से देखते हैं, हो सकता है यह एक बहुमूल्य प्राण है जिसे ठीक से पानी से सींचा जा सकता था, जो एक कोमल छोटी पत्ती या कुछ तो और होता। लेकिन इसके बजाय, यह अपने आप को आघात पहुंचा देता है, इतना तक कि यह एक कांटेदार हो जाता है, बस हर एक चीज पर छेद करता है, आप जानते हैं, गलती को ढूंढता रहता है। इसके लिए केवल एक चीज की आवश्यकता है वो है केवल पानी। ऐसा ही है। इसके लिए बस एक—एक बेदारी की आवश्यकता है, या एक फुट निकलने की, प्रभु की ओर से एक ताजगी की। यह—यह अपने छोटे से स्वरूप को खोलेगा,

यदि आप इसे बस पानी में रख दें।

89 लेकिन, यही है जहां वे जो उस स्थान पर रहते हैं, उन्हें उस स्थान की परिस्थितियों के साथ तकलीफ को सहना पड़ता है। और वे जो उस प्रकार के वातावरण में रहने की इच्छा को रखते हैं, जहां हर एक चीज बस प्रहार कर रही है और वाद–विवाद कर रही है, और इस तरह से झगड़ना और क्रोधित होना, तो ठीक है, आप बस उस वातावरण के नीचे ही रहेंगे, बस ऐसा ही है। लेकिन हमें वहां पर नहीं रहना है, हमारे लिए वहां पर बने रहना आवश्यक नहीं है।

90 अब, यह होरेब वह स्थान था जहां परमेश्वर लोगों के साथ निराश हो गया था, क्योंकि वे इस स्थान में आकर भटक गए थे और इस स्थिति में आ गए थे। और वह उन्हें ठीक इसके पास लेकर आया, क्योंकि वे मार्ग में नहीं चलें। वे उस—उस मुख्य मार्ग से हट गए, इस ओर के मार्ग पर उतर गए। और फिर इस कारण से परमेश्वर ने कुछ ऐसा किया जो भयानक रूप से था। वो... इस कारण से परमेश्वर के पास मूसा था ताकि न्याय की लाठी को ले जिसके साथ उसने राष्ट्र का न्याय किया था, और पानी को लाने के लिए चट्टान पर प्रहार करें।

91 अब, यहाँ एक सुंदर पाठ है यदि हम इसे ले सके, देखिये। और क्योंकि हम सेवा से बहुत बाहर हो गये हैं, और संसार और चीजों से बंध गये है, इसने परमेश्वर को संसार के न्याय को लेने का कारण बना दिया और इससे अपने ही पुत्र पर प्रहार किया, कलवरी पर, जिससे कि हम आजाद हो सके। क्या आप देखते हैं कि मेरा क्या अर्थ है?

92 अब, इन लोगों को कुछ पानी के पास लाने के लिए, उनके वहां पहुंचने के बाद, इस सूखे स्थान को एक कलवरी बना दिया गया था। और वहां परमेश्वर ने मूसा को बताया, उसने कहा, "लाठी और प्राचीनों और इत्यादि को लो, और मैं तुम्हारे सामने चट्टान पर खड़ा होऊंगा।" और यह चट्टान मसीह था। और मूसा, उस लाठी के साथ जो उसने इस्राएल राष्ट्र पर न्याय को लाया था, इसी लाठी को लिया और परमेश्वर के न्याय को चट्टान पर मारा। देखा? उसने लोगों के पापों को इस लाठी पर ले लिया। जो, उसे लोगों को प्रहार करना चाहिए था। लोगों पर प्रहार के बजाए, उसने चट्टान को मारा। और चट्टान, परमेश्वर के कार्य के द्वारा, उद्धार को लाया, नाश होने वाले लोगों के लिए जल को लाया। इसने मरते हुए लोगों के लिए जीवन

को लाया। और यही है जो परमेश्वर ने उसकी—उसकी न्याय की लाठी को लेकर किया, और मेरे पापों और आपके पापों को इस लाठी के पर लपेटता है; जब कि इसे हम पर प्रहार करना चाहिए था, लेकिन इसने मसीह पर प्रहार किया; कि उस में से *जल* निकला, जिसका अर्थ है "आत्मा," उसमें से पवित्र आत्मा आया, ताकि हमें जीवन दे। अब हमारे पास अनंत जीवन है। अब, वह चट्टान मसीह था। अब हम ध्यान देना चाहते हैं।

93 मैंने बहुत सारे बौद्धिक लोगो को इस चट्टान चित्रण करते हुए देखा है। ज्यादा समय नहीं हुआ, मैंने सबसे आलोचनात्मक लोगों में से ऐसे को देखा है, इतना तक कि वहां एक—एक छोटी सी चट्टान एक पहाड़ी की चोटी पर रखी हुई थी। और—और मूसा को इस चट्टान पर प्रहार करना था, और इस्राएल इसका आनंद लेते हुए वहां पर था, उन्हें इस चट्टान में से गिरते हुए छोटे-छोटे छींटों से पानी पिला रहा था। अब यह किसी का विचार है।

94 लेकिन जब यह चट्टान उसके जल को लेकर आयी, वहां बैलों, ऊँटों, और हर एक चीज को छोड़कर बीस लाख से अधिक लोग थे, जो इसमें से पानी के टब में से पीते थे। यह एक फूट कर निकली हुई धारा थी जो वहां से बाहर आ रही थी!

95 इसी प्रकार से वे आज मसीह को पवित्र आत्मा बनाने का यत्न करते हैं। "यह बस एक जरा सा छिड़काव है।" देखो, बस आपको यह विश्वास दिलाने के लिए पर्याप्त है कि वहां एक परमेश्वर है। नहीं।

96 यह जल की बहुतायत है! दाऊद ने कहा, "मेरा प्याला उमड़ रहा है!" यह तो बस पवित्र आत्मा का एक वेग से बहना है।

97 लोग इससे डरते हैं। कुछ लोग कहते हैं, "ठीक है, मैं बस जरा सा डरता हूं कि मैं *यह* करूंगा या *वह* करूंगा, या यदि मैं थोड़ा ज्यादा गहराई में जाऊं। मैं आपको दिखा सकता हूं कि कोई तो बहुत दूर चला गया है।" लेकिन आप कभी भी इस बात की ओर संकेत नहीं करते हैं कि एक बहुत दूर तक नहीं गया। देखा? जी हां, उनके विषय में क्या है जो ज्यादा दूर नहीं गए?

98 अब, हमारे पास कुछ लोग थे जो शरीर में आकर, और गलत कदम को उठा लिया। और—और परमेश्वर नहीं, लेकिन लोग... क्योंकि अच्छा नेतृत्व नहीं था, और आदि-आदि, उन्हें गलत कदम पर ले गए, और वे

धार्मिक हठ के अंदर चले गए। और फिर सारा संसार, शैतान उनकी ओर संकेत करता है, "यह देखो! इसे देखो!"

99 तो ठीक है, मुझे आज सुबह खड़े होकर और इन दस लाख गुना अधिक की ओर संकेत करने दो, जिन्होंने यहाँ तक कभी शुरुआत भी नहीं की। उनके बारे में क्या? देखो, उनकी स्थिति को देखो। आज इचमन जैसे व्यक्ति को देखे, जो सर्वोच्च... वे कहते हैं, "पेंटीकोस्टल अनैतिक और असभ्य हैं, और वे शिक्षित नहीं हैं," और इसी तरह से आदि–आदि। इचमन की ओर देखें, जो संसार के सबसे अधिक शिक्षित लोगों में से एक है। और उसने साठ लाख बच्चों और स्त्रियों और पुरुषों को मार डाला, साठ लाख प्राण। आप इस तरह से किसी की ओर संकेत नहीं करना चाहते हैं।

100 लेकिन कोई छोटा सा व्यक्ति जो मुश्किल से पढ़ भी नहीं सकता, हो सकता है बाईबल के किसी नाम को गलत कहा हो, और, या हो सकता है कुछ कहा हो या कुछ गलत किया हो, या कुछ गलती की हो, अखबार वाले इसे हर जगह लिखना चाहते हैं, और कहते हैं, "उन पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए।"

101 तब यदि उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, तो फिर शिक्षा पर, चीजों पर और उनकी बुद्धि क्यों नहीं किया जा सकता जो आज उनके पास है? एडोल्फ हिटलर को देखें। आज संसार के दिमाग वाले लोगों को देखे। उन्हें देखो। पुरानी कहावत है, "कि एक व्यक्ति के साथ वही व्यवहार किया जाना चाहिए जो दूसरे व्यक्ति के साथ किया जाता है।"

102 जो काम आपको करना है, वह पवित्र आत्मा के द्वारा योग्य होना चाहिए, कि सही और गलत को विभाजित करें, और जो सही और गलत है उसे ले।

103 अब, हम पाते हैं कि यह कलवरी जो उनके पास थी, और जीवन का जल लोगों के लिए फूट निकला।

104 अब, कुछ लोगों के पास उनके ह्रदय और मनों पर है, जिसे सारे इस्राएल ने पीया, और फिर उन्होंने ऊंटों लिया और अपने घोड़ों पर उन्हें टांग कर बांध दिया, और आदि–आदि, और अपने बच्चों को लेकर और कहीं और यात्रा के लिए आगे निकल गये, और जल छिड़कती हुई चट्टान को वहां छोड़ दिया। यह गलत है।

105 वह चट्टान उनके पीछे–पीछे चली, और वह जल उनके पीछे–पीछे आया। अब पहला कुरिन्थियों, 10वें अध्याय में, मैं सोचता हूं, और 11वां पद, आप इसे देख सकते हैं, कि "वह चट्टान इस्राएल के पीछे–पीछे चली।" उस दिन के बाद से वे जहां कहीं भी गए, चट्टान उनके साथ चली गई, और जल उनके पीछे–पीछे गया।

106 क्या ही सुंदर नमूना है, और एक—एक सुंदर विचार और आज के विश्वासी के लिए एक लंगर, जो जानता है कि वह चट्टान जिसे एक बार प्रहार किया गया था, वह जल जो एक बार कलवरी से उंडेला गया था, हम जहां कहीं भी होते हैं, हमारे साथ जाता है! ओह, प्रभु! यह एक निश्चित स्थान पर वापस आकर, और नहीं कहेगा, "तो ठीक है, हमारे पास परसों के दिन जल था, वहां पर।" हमारे पास आज जल है, ठीक यहाँ, क्योंकि वह चट्टान मसीह था! और मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

107 देखो, वह चट्टान इस्राएल के पीछे–पीछे चली। उन्होंने कभी भी चट्टान का अनुकरण नहीं किया, लेकिन चट्टान ने उनका अनुकरण किया। आमीन। इस्राएल अपनी यात्रा पर आगे निकल गया। उनके पास करने के लिए केवल एक ही काम था, वो है, कि सीधे मार्ग में चलते रखें, ठीक सीधे प्रतिज्ञा के देश में। और चट्टान और जल ने उनका पीछा किया।

... वह *चट्टान उनके* पीछे–पीछे जा रही है:...

पहला कुरिन्थियों आपको ऐसा बताता है, 10वां अध्याय। तो ठीक है।

... *वह चट्टान मसीह था।*

108 परमेश्वर ने लोगों के न्याय को लिया और उन्हें मसीह पर डाल दिया, और उस पर प्रहार किया। क्या आपने ध्यान दिया, तब से वहां चट्टान में एक दरार थी? चट्टान में एक दरार थी, जहां मूसा ने प्रहार किया। और मसीह पर एक दरार थी, जब उसे प्रहार किया गया था, "वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया था, और उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए थे।" उस जीवन से जीवन का जल बहने लगता है जिसका हम आज बहुत ही आनंद लेते हैं!

109 अब, इस जीवन को पाने के लिए, याद रखें, मसीह का जीवन कलीसिया के साथ बना रहता है। हाल्लेलुय्या! ओह, यदि हम अपने विचारों को अगले दस मिनट के लिए वहां लंगर कर सके! मसीह कलीसिया को नहीं छोड़ता है। "मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि संसार के अंत

तक।" यह तो लोग होते है जो मसीह को छोड़ देते है, ना कि मसीह लोगों को छोड़ता है। लोग इसे छोड़ देते हैं, उनके अविश्वास के द्वारा। वे मसीह को छोड़ते हैं, ना कि मसीह लोगों को छोड़ता है।

110 इस्राएल ने जल की धारा को छोड़ा, ना ही जल की धारा ने इस्राएल को छोड़ दिया। देखा? क्योंकि, बाईबल स्पष्ट रूप से कहती है कि, "चट्टान और जल इस्राएल के पीछे–पीछे गए।" उनके साथ–साथ गए! वे जहां भी गए, यह भी गये।

111 ओह, मैं चाहूंगा, आज सुबह, यदि हमारे पास समय होता है, तो यहोशू के पहले अध्याय में जाते थे, जहां उसने कहा, "जहां कहीं भी तुम्हारे पांव के तलवे पड़ेगे, वो मैंने तुम्हें दे दिया है। तू जहाँ कहीं भी जाए, तेरा प्रभु परमेश्वर तेरे संग है। तुम किसी भी मनुष्य से मत डरना। हिम्मत बांधो! बस जहां कहीं भी तुम कदम रखो, मैं ठीक वहां तुम्हारे साथ हूं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कहां पर है।" परमेश्वर यहोशू के साथ जा रहा है!

112 वही परमेश्वर आज सुबह अपनी कलीसिया के साथ जाता है। आओ हम उस ओर के इस झरने में से पीये। जहां कहीं भी तुम एक कदम को बढ़ाते हो, वहां पर परमेश्वर ठीक तुम्हारे साथ होगा, ताकि तुम्हें जल दे और जीवन दे। "मैं हमेशा तुम्हारे संग रहूंगा, यहाँ तक युग के अंत तक भी।" मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। परमेश्वर की व्यवस्थायें।

113 अब आप कहते हैं, "तब, भाई ब्रंहम, ऐसा क्यों है कि हम उन चीजों को नहीं करते हैं जो हमें करना चाहिए? यह हमारे किस तरह दान है और कलीसिया में चीजें है जो अपने रंग में नहीं आती है, जहां इसे होना चाहिए? यह किस तरह से है कि हमारी कलीसिया उस स्थान पर नहीं उठती है जहां इसे होना चाहिए? " लोग, परीक्षा के समय में, इस्राएल के जैसे गिर जाते है। वे सोचते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें छोड़ दिया है।

114 लेकिन, याद रखें, चट्टान ने कभी भी इस्राएल को नहीं छोड़ा। इस्राएल ने चट्टान को छोड़ दिया, यह भूल गया कि चट्टान हर समय उनके साथ रही है। यह ठीक वहां पर था, उनके साथ मार्ग के अंत तक गया। "यह उनके साथ–साथ गयी।" यह बोलने की दूरी के दायरे से बाहर नहीं थी। यह सुनने की दूरी के दायरे से बाहर नहीं थी। या, यह देखने की दूरी के दायरे से बाहर नहीं थी।

115 और ना ही मसीह है! आज कलीसिया के साथ है, वह बोलने के दायरे

से दूर नहीं है। आप में से कुछ लोग पिछड़ गए हैं, और उन्होंने वह किया है जो गलत है, और आपने उस आनंद को खो दिया है, और आपका जल सूख गया है। वह अब भी आपसे बात करने के दायरे के अंदर ही है। वह आपका पीछा करता है। वह आपकी हर हरकत को जानता है और हर चीज जो आप करते हैं। वह यह सुनने की इच्छा रखता है कि आप उसे दृश्य पर बुलाये।

116 और आज इस बड़े पेंटीकोस्टल का कदम, परमेश्वर आपके लिए रुका हुआ है कि आप उसे दृश्य पर बुलाये। आप उसके साथ बोलने की दूरी के दायरे से बाहर नहीं हैं। भले ही हमने गलत किया है, और पाप किया है, और उससे अपनी पीठ फेर ली है, और—और उन कामों को किया जो हमें नहीं करना चाहिए, लेकिन फिर भी वह हमारे साथ है। मसीह ने कहा वह हमारे साथ रहेगा।

117 बाईबल ने कहा, "वो जल इस्राएल की संतान के पीछे–पीछे चला।" जब उन्हें प्यास लगी, वे जानते थे कि जल नजदीक है।

118 अब, इन चीजों को नियमो के द्वारा नियंत्रित किया जाता है। परमेश्वर की सारी व्यवस्था नियम के द्वारा रखी गई है। अब हम लेंगे... आइये हम कुछ मिनट के लिए रुके।

119 आइए हम दुनिया को ले। यह घुमती है, हर चौबीस घंटे में यह पूरी तरह से एक चक्कर को लगाती है, बहुत ही सिद्ध रूप से, कि... हम अपने सारे विज्ञान के साथ, कभी भी ऐसा नहीं कर पाए हैं, कि सिद्ध समय को बनाए रखने के लिए एक घड़ी को बना सके। समय–समय पर, एक वर्ष के दौरान उनकी बनाई गई सबसे अच्छी घड़ियाँ, बहुत ही मिनट बढ़ायेगी या घटायेगी। लेकिन दुनिया कभी असफल नहीं होती लेकिन वो हर एक सेकंड पर ठीक वहां है। यह इतना सिद्ध है इतना तक आज वैज्ञानिक लोग, खगोल विद्या जानने वाले आपको बता सकते हैं, अब से बीस वर्षों में या अब से पचास वर्षों में, बिलकुल ठीक सूर्य और चंद्रमा एक दूसरे के पास से गुजरेंगे। जब यह अपने चौबीस घंटो के चक्कर को घुमाकर पूरा करता है, और यह एक ऋतु के लिए कार्य कक्षा के चारों ओर अपना समय बदलता है, यह एक टिक भी नहीं चूकता। हाल्लेलुय्या! यह सिद्ध रूप में करता है, क्योंकि यह परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार चल रहा है।

120 वे बस ठीक–ठीक जानते हैं कि वह ज्वार–भाटा या ऊँची लहरे कब

ऊपर उठेगी, बस कुछ ही मिनटों के लिए, क्योंकि वे जानते हैं कि चंद्रमा किस समय नीचे जाता है। और परमेश्वर ने हर एक चीज को व्यवस्था के द्वारा व्यवस्थित किया है। और जब वह चंद्रमा नीचे चला जाता है, तो उसके साथ ज्वार–भाटा या ऊँची लहरे चली जाती है। जब वह चन्द्रमा ऊपर आता है, यहाँ उसके साथ ज्वार–भाटा या ऊँची लहरे आने लगती है। और वे ठीक–ठीक समय के द्वारा जानते हैं, वह चंद्रमा कब नीचे जाएगा। वे इसे आगे के वर्षों के लिए एक तिथिपत्र कैलेंडर पर डाल सकते हैं, और आपको बता सकते हैं, उस मिनट के लिए, जब वह ज्वार–भाटा या लहरे नीचे गिरना आरंभ हो जाएगी। निश्चय ही, क्योंकि इसी तरह से चंद्रमा बाहर जाता है, क्योंकि यह परमेश्वर के नियम के क्रम में स्थापित है।

121 मैं उस दिन मिशिगन झील के पास खड़ा हुआ था। और मैं सुपीरियर झील के पास गया, जब मैं कनाडा के रास्ते पर था, उस पानी के बड़े हिस्से के पास। और मैं वहां खड़ा था, और मैंने सोचा, "यहाँ पानी का यह विशाल प्रवाह कितने मील की दूरी तक फैला हुआ है? " और उसके बाद जब मैंने पार करूंगा उस मिक–... , या, सुपीरियर झील को पार करता हूं, तो मैं मिशिगन में आऊंगा, लगभग बराबर जल का एक हिस्सा। और वहां सुपीरियर झील से लेकर मिशिगन झील तक, मिशिगन झील से लेकर ओंटारियो झील तक, और तब... और हूरोन, और सारी झीले एक साथ। कितने अरबों गुना अरबों गुना अरबों, और ताजे जल का असंख्य बैरल उस झील के अंदर रखा हुआ हैं!

122 और वहां नेवादा में, और एरिजोना, न्यू मैक्सिको, पूर्वी कैलिफोर्निया में, लाखों एकड़ सूखी, जलती हुई भूमि पड़ी है। यह इतनी उपजाऊ भूमि है कि, यदि वह जल कभी उस भूमि पर आ सकता है, यह राष्ट्र सारे संसार को खिला सकता है, कोई भूखे लोग नहीं होंगे, और समुद्र में फेंकने के लिए अतिरिक्त होगा। यह सही बात है! लाखों एकड़ में जहाँ पर लाखों टन आलू और पत्तागोभी, और फलियां और—और सलाद के पत्ते उगेंगे, और मूली और अजवाइन, और खीरा, और बहुत कुछ। भूमि इसे उगाएगी, यह—यह तो बस जल की लालसा रखती है।

123 और *यहाँ* ऊपर पानी है, और *यहाँ* पर नीचे वो भूमि है। अब हम इसे देख सकते हैं, और हम जानते हैं कि यह इसे करेगा, क्योंकि हम जल को जांच सकते हैं और देख सकते हैं कि यह ताजा है, और मिट्टी का जांच

करते है और देखते है कि यह उपजाऊ है। अब, वे सारी इच्छाये जिसे हम कर सकते हैं, उन्हें कभी भी एक साथ नहीं रखेगी। लेकिन, एक नियम है, और वह नियम गुरुत्वाकर्षण है। अब, यदि हम गुरुत्वाकर्षण के अनुसार काम करते हैं, तो हम उस देश के हर एक हिस्से को जल दे सकते हैं, झीलों से पानी लेते हुए और उसे जल को दे सकते है। लेकिन हमें गुरुत्वाकर्षण के नियम के अनुसार काम करना होगा। हम वहां इसकी इच्छा नहीं कर सकते। हम इस पर वहां चीख नहीं सकते। हम इस पर वहां शोर नहीं मचा सकते। हमें गुरुत्वाकर्षण के नियमों के अनुसार काम को करना है, ताकि इसे वहां ले जाए। परमेश्वर हर चीज को एक नियम में रखता है।

124 यहाँ, मैं सोच रहा था, मैं नहीं जानता कि मैंने कभी आपको यह बताया है या नहीं। मैं लगभग एक वर्ष पहले वहां केंटकी में था, भाई वुड के साथ गिलहरी का शिकार कर रहा था। और हम... गिलहरी एक प्रकार से कम दिखाई देती थी, और इसलिए हम शिकार के बारे में जानने के लिए एक व्यक्ति के घर गए। एक व्यक्ति के पास जिसकी कई एकड़ जमीन थी, और इस जमीन पर बहुत सारी लकड़ियां थी। लेकिन भाई वुड ने मुझे बताया, कि, "वो व्यक्ति एक नास्तिक है। वह—वह एक अविश्वासी है।" सो उसने कहा कि वह उसे जानता है, इसलिए वह... या उसका पिता उसे जानता था, वो वहां पर जाकर और उससे पूछेगा कि क्या हमें शिकार करने की अनुमति मिल सकती है।

125 हम गाड़ी चलाकर उस सज्जन के स्थान पर पहुंचे। और वो और दूसरा मनुष्य, वे दोनों सत्तर की उम्र के आसपास थे, वे एक सेब के पेड़ के नीचे बैठे हुए थे। और श्रीमान वुड इस व्यक्ति के पास गए, और उसने उससे कहा, "क्या मैं आपके स्थान पर कुछ शिकार कर सकता हूं? " और उसने कहा, "ठीक है," उसने कहा, "अच्छी बात है।" उसने कहा, "तुम कौन से वुड हो? क्या तुम जिम वुड के लड़के हो? "

उसने कहा, "मैं वही हूं।"

126 उसने कहा, "अच्छी बात है, बूढ़ा जिम ईमानदार था, और आदि–आदि।" उसने कहा, "तुम जहां चाहो मेरे स्थान पर कहीं भी शिकार कर सकते हो। मेरे पास यहां *बहुत सी* सैकड़ो एकड़ जमीन है, बिना पूछे शिकार करें। वहां उन घाटियों में जाओ, जहां भी तुम चाहते हो। बस अपने घर जैसा ही समझो।"

127 मैं कार में बैठा हुआ था, क्योंकि मैंने सोचा कि प्रचारक और अविश्वासी का एक साथ होना कोई भला नहीं करेगा, यदि हम अविश्वासी से अनुमति को मांगते है।

128 सो थोड़ी देर बाद, भाई वुड ने कहा, "अच्छा, अब, क्या मैं अपने पास्टर को अपने साथ ले जा सकता हूं? मैं सोचता हूं कि उनके लिए यह ठीक रहेगा कि वह मेरे साथ आए।"

129 और यह बूढ़ा व्यक्ति अपने बेंत पर घूमा, और उसने कहा, "वुड, क्या तुम्हें मुझे बताने का अर्थ यह है कि तुम इतना नीचे गिर गए हैं, यहां तक कि तुम जहां कहीं भी जाते हो, तुम्हे अपने साथ एक प्रचारक को रखना पड़ता है? "

130 और इसलिए उसके बाद, मैंने सोचा, बेहतर होगा कि मैं कार से बाहर आ जाऊं। सो मैं कार से बाहर निकला, और उस बूढ़े सज्जन से कुछ मिनटों के लिए बात की। और उसने मुझे जल्दी से बता दिया कि उसके पास प्रचारकों के लिए अधिक आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि उसने सोचा कि वे किसी ऐसी चीज के विषय में बात कर रहे है जिसके बारे में वे कुछ भी नहीं जानते थे।

131 उसने कहा, "वे बस किसी चीज पर चिल्लाने लगते हैं, जिस चीज के बारे में वे कुछ जानते भी नहीं हैं। खैर," उसने कहा, "जब एक मनुष्य मुझसे बात करता है, तो मैं चाहता हूं कि वह ये जानता हो कि वह किस बारे में बात कर रहा है।" अब, यह अच्छी समझ की बात है। यह अच्छा अभिप्राय है। उसने कहा, "अब, यदि एक मनुष्य मुझसे बात करता है, मैं नहीं चाहता कि वह *कुछ तो और चीज* पर बात करे, मान लीजिए कि वह इस विषय में कुछ जानता ही ना हो। मैं चाहता हूं कि वह कुछ ऐसा बोले जिसे वह जानता हो कि वह किस बारे में बात कर रहा है।" तो, मैंने इस बात का सम्मान किया। मैंने उस बूढ़े सज्जन व्यक्ति में इस बात का आदर किया।

132 और इसलिए मैंने कहा, "तो, निसन्देह, यही प्रत्येक व्यक्ति की अपनी राय है।"

133 और उसने कहा, "वहां एक प्रचारक था जो इस देश में कुछ वर्ष पहले आया था, जिसकी वहां एक्टन में एक सभा थी।" और उसने कहा, "एक रात यह प्रचारक, देश में एक अजनबी होने पर, सभा के लोगों के बीच बैठी

एक—एक महिला से कहा, 'तुम्हारी जेब में रुमाल है। और आप श्रीमती *फलां–और–फलां* है। और आपकी एक बीमार बहन यहां पहाड़ी पर रहती है। उसका नाम *फलां–और–फलां* है। वह मर रही है, उसके पेट में कैंसर है।' और कहा, 'इस रुमाल को लो और अपनी बहन पर रख दो, और उसे बताओ, "**यहोवा यों कहता है**, वह मरने वाली नहीं है, लेकिन जीवित रहेगी।"'"

134 उसने कहा, "यह वही महिला थी जो हमारी एक मित्र थी।" और कहा, "हमने इस महिला के इस रूमाल को वहां पर लेकर गये, मतलब, इस पुरुष के, उंह, वो व्यक्ति... " पहले उसने कहा, "यह महिला, मेरी पत्नी और मैं उस सुबह वहां पर थे और इसे रखा था, महिला के लिए रुके हुए थे। और वह बहुत ही बुरी अवस्था थी! डॉक्टरों ने उसे बहुत पहले ही छोड़ दिया था। वह इतनी बुरी अवस्था में थी कि हमें उसे एक चादर में ले जाना पड़ा था, उसे ऊपर उठाकर उसे पलंग पर रखा, उसे वापस ले आये। उसे चादर में करवट बदलते, वह बहुत ही खराब अवस्था में थी।" उसने कहा, "एक रात, वहाँ पर, वहाँ एक शोर हुआ जैसे उनके यहाँ कोई तो मर गया था।"

135 यह वहां पर उस रुमाल के साथ बेन था, उसे वहां पर रखने जा रहा था। मैं सोचता हूं कि यह आप थे, क्या यह आप नहीं थे, बेन? [भाई बेन ब्रायंट कहते हैं, "आमीन। आमीन।"—सम्पा।] यह वहां पर भाई बेन थे, उस रूमाल को ले जा रहा था, क्योंकि वह उस महिला को वहां पर ले गया था।

136 और कहा, "अगली सुबह, वह तले हुए सेब की एप्पल पाई खा रही थी।" और कहा, "वो केवल अपना ही काम नहीं करती है, लेकिन वह पड़ोसी का काम भी करती है। वह बिल्कुल ठीक थी!" उसने कहा, "अब मैं अक्सर सोचता हूं। यदि मैंने कभी उस प्रचारक को देखा होता, वह जानता था कि वह किस विषय में बोल रहा है," कहा, "मैं—मैं उसके साथ बात करना चाहता हूं।"

137 भाई वुड ने मेरी ओर देखा, और मैंने उसकी ओर देखा। वहां खड़ा हुआ था, गंदा, और पसीने से लथपथ और ख़राब, जंगल में डेरा डाले हुए था, और—और हम पर पूरी तरह गिलहरी का लहू लगा हुआ था। और सो मैंने कहा, "ठीक है," मैंने कहा, "क्या... आपका मतलब है कि आप

इस व्यक्ति से बात कर सकते हैं और वह आपको बताएगा कि उसने यह कैसे किया? ”

उसने कहा, “जी हां, श्रीमान, मेरा यही अर्थ है।”

मैंने कहा, “सो, यह—यह तो एक अच्छी बात है।”

138 मैं उसका एक सेब खा रहा था। वे लोग छोटे पुराने पीले रंग के जैकेट पहने हुए थे, आप जानते हैं, वर्ष के पतझड़ अगस्त महीने में। सो मैं यह छोटा सा सेब लिए हुए था, और मैंने इसे खा लिया था। और मैंने कहा, “यह बहुत ही अच्छा सेब है।” मैंने कहा, “वो पेड़ कितने समय से वहां पर है? ”

139 “ओह,” उसने कहा, “मैंने वहां तीस या चालीस वर्ष पहले उस पेड़ को लगाया था, या ऐसा ही कुछ तो।”

140 “जी हां, श्रीमान।” मैंने कहा, “मैं आपसे बस एक सवाल पूछना चाहूंगा।” मैंने कहा, “किस तरह से संसार में... मैं देखता हूं कि वे सेब उस पेड़ पर से गिरे हुए हैं, और उसके पत्ते गिर रहे हैं, और यहाँ ऐसा केवल अगस्त के मध्य में होता है।” और मैंने कहा, “हमारे पास यहाँ तक एक ठंड दौर भी नहीं होता है, यहाँ तक कि हमारे पास एक बर्फ का जमना या कुछ भी नहीं होता है, और फिर भी वे पत्ते उस पेड़ से गिर रहे हैं। ऐसा क्यों है? ”

उसने कहा, “जीवन के सार ने पेड़ को छोड़ दिया है।”

“ओह,” मैंने कहा, “यह कहां चला गया? ”

उसने कहा, “नीचे जड़ों में।”

और मैंने कहा, “तो फिर यह कब तक वहां नीचे रहेगा? ”

उसने कहा, “बसंत ऋतु तक।”

141 और मैंने कहा, “तब यह वापस ऊपर आ जाएगा, और आपको छाया देने के लिए नए पत्ते लायेगा, खाने के लिए नए सेब लायेगा।”

उसने कहा, “यह सही बात है। बिल्कुल सही।”

142 मैंने कहा, “तो ठीक है, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं, श्रीमान। आप इन लोगों के बारे में बात करते हैं जो नहीं जानते कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं।” मैंने कहा, “क्या आप मुझे समझा सकते हैं कि कौन सी बुद्धिमता उस जीवन के सार को उस पेड़ को छोड़ने को लगाती है? यदि यह वहां

सर्दियों में बना रहता है, तो पेड़ मर जाएगा। आप पेड़ को मार डालेंगे। जीवन का जीवाणु उस जीवन के सार में है।" इसलिए मैंने कहा, "यह पेड़ को मार डालेगा। कौन सी बुद्धिमत्ता उस पेड़ के जीवन के सार को उस पेड़ से बाहर जड़ों में जाने को लगाती है, और वसंत के समय तक जीवन का सार वहां बना रहता है, और फिर से ऊपर वापस आकर और कुछ और सेब लाता है? " मैंने कहा, "एक बाल्टी में पानी डालो और इसे एक खंबे पर रख दो, और देखें कि क्या अगस्त के महीने में, यह नीचे खंबे के नीचे तक जाएगा और वसंत ऋतु में वापस ऊपर आ जाएगा। समझे? " मैंने कहा, "वहां कुछ नियम है, वहां प्रकृति का एक नियम होता है। कुछ बुद्धिमत्ता ने इस नियम को व्यवस्था में रखा है। केवल इतना ही नहीं, लेकिन वही बुद्धिमता उस नियम को संचालित करना होता है, जो इसे पेड़ की जड़ में चला जाता है, और वापस आ जाता है।"

उसने कहा, "मैंने ऐसा कभी भी नहीं सोचा था।"

143 मैंने कहा, "क्या आप... यदि आप कभी उस बुद्धिमत्ता को पा सकते हैं जो उस पेड़ के शाखाओं में से उस जीवन के सार को जाने को लगाती है, नीचे जड़ों में जाता है और वापस आता हैं, यह वही बुद्धिमत्ता है जिसने मुझे उस रात वहां पर बताया था, 'जाकर, उस महिला पर रुमाल को रख दो।'"

उसने कहा, "और तुम वो प्रचारक हो? "

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान, यह सही बात है।"

144 पिछले वर्ष मैं वहां पर था (वह जा चूका है), और जब उसकी विधवा बरामदे पर बैठी हुई थी, उसी पेड़ से सेब छील रही थी। भाई... पहले तो वे हमें बाहर निकालने जा रहे थे, वे नहीं जानते थे कि हम कौन है। और मैंने जाकर और उसे इसके बारे में बताया, कि हमारे पास उसकी ओर से अनुमती है। और इसके बारे में बताया, कहा, "उसने मरने से पहले मसीह का पूरी तरह स्वीकार किया।"

145 आप देखते हैं, वह पेड़ क्या करता है, कौन सी बुद्धिमत्ता उसे नीचे लेकर जाती है? यह एक नियम है। यह एक नियम है जिसे परमेश्वर ने व्यवस्था में रखा है। और वह व्यवस्था परमेश्वर की व्यवस्था है जो विषय–वस्तु का ध्यान रखेगी। आमीन।

146 आप जानते हैं, मैं परवाह नहीं करता कि आप कितना भी चिल्लाते हैं, और कहे—अब कहे, "यह ऐसा नहीं होगा, इस गर्मी में सूरज अब और चमकने वाला नहीं है।" यह चमकेगा, जो भी हो। आप कितना भी कहें, "मैं—मैं—मैं रात को आने नहीं दूंगा।" यह किसी भी तरह से आएगी। क्योंकि यह चीज जिस पर हम रहते हैं, जिसे संसार कहा जाता है, परमेश्वर के एक नियम के द्वारा नियंत्रित होती है।

147 अब, भाइयों और बहनों, मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं। तब, यदि हम परमेश्वर के आत्मा से नया जन्म पाते हैं... परमेश्वर के पास छोटे कमजोर भाग और बड़े मजबूत भाग नहीं होते हैं, वो कुल मिलाकर परमेश्वर है! और यदि आप में परमेश्वर पर्याप्त रूप से होता, इतना तक कि इसकी मात्र कुछ छाया ही होती थी, तो यह एक नई पृथ्वी को बनाने के लिए पर्याप्त सामर्थ है। यही पर्याप्त सामर्थ है कि एक नया चन्द्रमा और एक नये मंडल को बनाये। यह परमेश्वर है, और यह शक्तिशाली है! और ठीक अभी यहाँ पर हर एक विश्वासी के पास अनंत जीवन है, जो कि, आप में परमेश्वर का आत्मा है; आपके पास पर्याप्त सामर्थ है जो मरे हुओं को जिलाएगी, जो बीमारों को चंगा करेगी, जो ग्रहपथ को उसकी दशा में स्थापित करेगी। लेकिन आप, यह एक नियम के द्वारा नियंत्रित होते है, वो आत्मा जो आप में है। आप परमेश्वर के बेटे और बेटीयां हैं। वही आत्मा जो आपके अंदर है, स्वयं आप को पुनरुत्थान के दिन उठा कर खड़ा करेगा।

148 यीशु, जब वह यहां धरती पर था, जब वह मरा, उसका प्राण वहां अधोलोक में उतरा, "और उन आत्माओं को प्रचार किया जो कैद में थीं, वे प्राण जो कैद में थे, जिन्होंने नूह के धीरज धरने के दिनों में पश्चाताप नहीं किया।" उसका शरीर कब्र में चला गया। लेकिन इससे पहले कि वह मरे, उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथों में सौंप दिया। उसका आत्मा परमेश्वर के पास गया, उसका प्राण अधोलोक में चला गया, और उसका शरीर कब्र में चला गया। और यीशु को पुनरुत्थान से रोक दिया गया था जब तक कि वचन पूरा नहीं हो जाता। वह वापस नहीं आ सकता था, क्योंकि उसे तीन दिन और रात कब्र में रहना था। लेकिन जब वचन पूरा हो गया, तो इस रोक को हटा दिया गया; उसका आत्मा उसके प्राण में उतरा, उसका प्राण उसकी देह में उतरा, और वह फिर से जी उठा।

149 और जब हम मरते हैं, तो हमारे प्राण परमेश्वर की वेदी के नीचे चले

जाएंगे; जहां कुछ सुबह पहले मुझे देखने का सौभाग्य मिला था, जैसा कि आप जानते हैं, उस दर्शन में, जहां बाईबल बोलती है, "हमारी आत्माएं परमेश्वर के पास जायेंगी जिसने इसे दिया है, और हमारे शरीर धरती की मिट्टी में मिल जाएंगे।" लेकिन किसी दिन, जब वचन पूरा होता है, हमारी आत्माएं परमेश्वर से आजाद हो जायेंगी, प्राण को ले लेगी, और प्राण देह को ले लेगा। और वो सामर्थ जो हमें ऊपर उठाएगी, ठीक अभी हम में है! अब हम स्वर्गीय स्थानों में हैं। अब हम पुनरुत्थान की सामर्थ में है।

150 यदि इसके लिए कोई नियम नहीं होता था, परमेश्वर के बेटे और बेटीयां उनके लिए यहां एक संसार की सृष्टि करें और जाकर उस पर एक निजी जीवन को जीयें। आपके पास इसे करने की सामर्थ है। यदि आप में परमेश्वर की सामर्थ की छाया है, तो आपके पास इसे करने की सामर्थ है। परमेश्वर सर्वसामर्थी है। देखा मेरा क्या मतलब है? वो सामर्थ जो आप में है, इसे बनायेगी, आप एक संसार को बोलकर अस्तित्व में ला सकते हैं और जाकर उस पर जी सकते हैं। हाल्लेलुय्या! आप वहां है।

151 यही है जो अब कलीसिया में सामर्थ है, लेकिन यह एक नियम के द्वारा नियंत्रित होता है। और वो नियम "बहुत सी आज्ञाओं को मानना" नहीं है। यह तो विश्वास का नियम है। यीशु ने कहा, "विश्वास करने वालों के लिए सारी बातें संभव है।" और यदि आप इसे विश्वास कर सकते हैं, जो कुछ भी परमेश्वर आपके प्राण को विश्वास करने के लिए अगुवाई करेगा, यह आपका है। हर एक स्थान जहां आपके पैरो के तलवे विश्वास के द्वारा पड़ सकते हैं, परमेश्वर इसे आपको देता है। आमीन! यह आपका है, आपके पास इसका अधिकार होता हैं, यदि आप इस विश्वास के नियम की चाबी को पा सकते हैं जो इसे आपके लिए खोलती है। आप समझे मेरा क्या अर्थ है? उस सामर्थ के द्वारा नियंत्रित किया जाता है... यदि आप परमेश्वर के बेटे हैं, आप परमेश्वर की बेटी हैं, जो आपको कभी नहीं छोड़ता है। यह हर समय आपके साथ है। लेकिन, आपका विश्वास इससे दूर चला जाता है, लेकिन यह अब भी वहां पर होता है। हाल्लेलुय्या!

152 जब आप बचाये जाते हैं, तो परमेश्वर आपको धरती के कीचड़ से उठने के लिए विश्वास को देता है। आपका विश्वास संसार की चीजों पर जय पाता है। आपका विश्वास क्या है? आपका विश्वास उस कार्य में होता है जो परमेश्वर ने आप में किया है, ताकि आपको परमेश्वर का बेटा बनाये।

आपने अपने झूठ को बोलना छोड़ देते है, आपने अपने चोरी करने को छोड़ दिया, आपने अपना शराब पीना छोड़ दिया, क्योंकि आपका विश्वास आपको इससे ऊपर उठाता है। आमीन। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपके पास कोई विश्वास नहीं है। "और विश्वास के द्वारा तुम बचाए गये हो, और उस अनुग्रह के द्वारा।"

153 जितना अधिक आपका विश्वास प्रदर्शन करेगा, उतना ही आपके पास उतनी ही अधिक सामर्थ हो सकती है, क्योंकि आप में आकाश और धरती को बनाने की सामर्थ वास करती है। परमेश्वर आप में वास करता है, और आप परमेश्वर के बेटे और बेटीयां हो। आमीन! आप वहां है। लेकिन, यह आपका विश्वास है। यीशु ने कहा, "तुम्हारे विश्वास के अनुसार, ऐसा तुम्हारे लिए होने दो। यदि तुम विश्वास कर सकते हो, तो सारी बातें संभव है। मैं तुम से सच–सच कहता हूं, यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और सन्देह ना करो, लेकिन विश्वास करो कि जो कहा है वो तुम्हारे पास होगा!"

154 तब हमें किस प्रकार के लोग होने चाहिए, हमें इस महान छुड़ाने वाले मसीह में विश्वास रखना है जो हम में रहता है, यह प्रहार की हुई चट्टान जो कभी भी कलीसिया को नहीं छोड़ती है? "मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं, संसार के अंत तक," उद्धार और सामर्थ की उस तेज फूट कर बहने वाली सदा की उपस्थिति, जिसे कलवरी से कलीसिया में उंडेला गया, जीवित परमेश्वर की सर्वदा की उपस्थिति, वह विशाल बहने वाली, प्रहार की हुई चट्टान जो हमारी यात्रा में हमारे साथ–साथ जाती है।

155 इस्राएल ने अपने विश्वास को खो दिया। वे मार्ग से हट गए। वे मांस के बर्तनों की अभिलाषा करने लगे। यदि वे विश्वास के साथ बने रहते थे, और विश्वास करते कि परमेश्वर उन्हें देश के अंदर लेकर जाने वाला था, तो वहां उनके लिए कोई भी रुकावट नहीं होती। उन्होंने पहले ही समुद्र को खोला था, उनके शत्रुओं के ऊपर विपत्तियां आयी थी, उन्होंने उनके पीछे अपने शत्रुओं को क्रूस पर चढ़ाया था, और चलकर उस देश के अंदर गए थे, और फिर भी प्रतिज्ञा पर जाने के लिए उनके पास विश्वास नहीं हो सका।

156 यहोशू और कालेब के पास वो विश्वास था! उन्होंने कहा, "हम उस किसी भी चीज पर जय पाने में सक्षम हैं जो हमारे सामने आएगी।"

157 कलीसिया के साथ यही परेशानी है। हम हर एक बीमारी पर जय पा सकते हैं। हमारे पास हम में सामर्थ है। हम परमेश्वर के बेटे और बेटीयां हैं, हमारे सामने कुछ भी खड़ा नहीं हो सकता है। केवल जो चीज है, वह किसी को तो देखना चाहता है जो इसे विश्वास करे, जो विश्वास करे जो परमेश्वर आपके लिए पहले ही कर चूका है। ना ही हम *होंगे*; हम अभी है! और आत्मा की सदा जीवित उपस्थिति हमारे साथ है। आमीन! आप वहां है।

158 यही तो मेरा अर्थ है जब मैंने आज सुबह इस विषय पर बात की, *चट्टान से सर्वदा प्रदान होने वाला जल।* सर्वदा प्रदान होने वाला जल उस चट्टान से जो ठीक अब यहां पर है, उस कलवरी पर से सदा प्रदान होने वाला जल उस प्रहार की हुई चट्टान से। जब वो पवित्र आत्मा कलवरी पर उसमें से बाहर आया, जो पेंटीकोस्ट के दिन कलीसिया पर वापस आ गया, वही पवित्र आत्मा आज सुबह उपस्थित है। और यह हमें एक प्रतिज्ञा को देता है!

159 यही कारण है, हम बीमार लोगों के सामने चलते है, जब उसने मुझे उस ओर आज्ञा को दिया, मैं इसका विश्वास करता हूं; परमेश्वर ने ऐसा कहा! इसी तरह से दर्शन होते हैं; परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है! परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता।

160 इसे विश्वास करे! आपको इसे विश्वास करना ही है। वहां कुछ तो होना है, उस नमी को खुलना है, उस चीज को खुलना है जिससे कि आप उसमें अंदर आ जाए। आज हमें जो आवश्यकता है ना ही अधिक सामर्थ के लिए प्रार्थना करें। आपके पास एक नई पृथ्वी को बनाने के लिए पर्याप्त सामर्थ है। उस सामर्थ का उपयोग करने के लिए आपको विश्वास की आवश्यकता है। आपको जो आवश्यकता है कि उस जीवन को नियंत्रित करें, और एक ऐसे धर्मी जीवन को जीएं, कि जब आप परमेश्वर से कुछ भी मांगते हैं, तो आप जानते हो! कि हमें परमेश्वर पर भरोसा है, उस पर। हम जानते हैं, यदि हम उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, वह हम से कोई भी अच्छी चीज को रोके नहीं रखेगा, यदि हम उसके साथ चलते हैं। परमेश्वर हमारे साथ चल रहा है। ओह, प्रभु!

161 उनके पास करने के लिए केवल एक ही काम था। उनके पास करने के लिए केवल एक काम था, वह है, सीधे मार्ग पर बने रहना। ना ही *यहाँ*

पर से भटकना, और *वहां* पर से भटकना; लेकिन मार्ग पर बने रहना! कलीसिया के पास करने के लिए केवल एक ही काम है, मार्ग पर बने रहे! उनके पास अग्नि का एक स्तंभ था, जो उनके पास था, ताकि उस अग्नि स्तंभ के पीछे–पीछे चलने के द्वारा खुद को मार्ग पर बनाए रखे। यही है जिसने उनकी अगुवाई की। उनका उद्देश्य वे देख सकते थे, वह अग्नि का स्तंभ था। उन्होंने ये देखा मूसा के जरिये से काम कर रहा है, और वे जानते थे कि वो अगुवाही करने वाला था।

162 आज हमारे पास वचन है। हम वचन के पीछे चलते हैं। और हम देखते हैं कि वचन विश्वासियों में कार्य कर रहा है, और तब हम जानते हैं कि ऐसा ही है। परमेश्वर हमारे साथ कार्य कर रहा है, वचन को चिन्हों को दिखाने के साथ पुष्टि कर रहा है! हम वचन के साथ बने रहते हैं। वचन परिणामों को उत्पन्न करता है।

163 वे मूसा के साथ बने रहे। क्योंकि, अग्नि का स्तंभ, मूसा ने उसका अनुकरण किया। और उन्होंने अनुकरण किया। जब वे मूसा के विरोध में आने लगे, और परमेश्वर के विरोध में और मूसा के विरोध में विवाद करने लगे, उन्हें इधर–उधर भटकना ही था। तब परेशानी आ गयी। निश्चय ही।

164 हम वचन के साथ बने रहते हैं, और वचन चिन्हों को उत्पन्न करता है। यीशु ने कहा, "ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जायेंगे जो वचन का विश्वास करते हैं।" देखो, यह उसके साथ बना रहता है... आप वचन के साथ बने रहते हैं, वचन चिन्हों को उत्पन्न करता है। लेकिन, मूसा, उसने क्या किया?

165 वे भटक गए, और उन्होंने क्या किया? मार्ग से भटक गए, और उन्होंने अपने जल की आपूर्ति को गंवा दिया।

166 मैं सोचता हूं कि आज कलीसिया ने यही किया है। यह वचन के मार्ग से भटक गयी है। वे वाद–विवाद पर चले गए हैं। वे छोटी–छोटी चीजों पर चले गए हैं जो उन्हें नहीं करना चाहिए। उन्होंने उन चीजों को अपना लिया। उन्होंने ऐसी चीजो को अपनाया जैसे प्रेरितों की संस्था। आप इसे बाईबल में कहां पाते हैं? उन्होंने धार्मिक शिक्षा को अपनाया जिसे वे पढ़ते है। उन्होंने एक अनुभव के स्थान पर संप्रदायों को अपनाया। उन्होंने फिर से जन्म के अनुभव के बजाए हाथ मिलाने को अपनाया। उन्होंने पानी के बपतिस्मे के बजाए पानी के छिड़काव को अपनाया। उन्होंने एक दुष्ट विधि को अपनाया, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," जब कि बाईबल में ऐसी

कोई चीज नहीं है। बाईबल ने कहा, "यीशु मसीह के नाम में!" वहां करने के लिए केवल एक ही चीज है, यदि आप उसी जल को चाहते हैं, तो फिर से मार्ग पर वापस आ जाए। उस पर वापस आये... उसने नहीं छोड़ा है; वह अब भी यहां पर है। आप मसीह के स्थान पर मत–सिद्धांत को लेते है। आप क्रोध के आवेश में आकर भटक जाते हैं।

167 एक ने कहा, "तो ठीक है, मैं एक मेथोडिस्ट हूं।"

दूसरा कहता है, "मैं एक बैपटिस्ट हूं।"

तब तो यह दर्शाता है कि आप मसीही नहीं है। हम मसीह के है! हम उसी के हैं।

आप कहते हैं, "अच्छा, क्या हो, यदि मैं, एक बैपटिस्ट हूं? "

यदि आप बस ऐसे ही हैं, तो आप मसीह के नहीं हैं, आप एक बैपटिस्ट हैं।

आप कहते हैं, "ठीक है, मैं पेंटीकोस्टल हूं।"

यदि आप बस संप्रदाय के द्वारा पेंटीकोस्टल है, तो आप बस यही है।

168 लेकिन, यदि आपके पास पेंटीकोस्टल का अनुभव है! और पेंटीकोस्टल वचन एक पेंटीकोस्टल अनुभव को लेकर आएगा! उसी चीज का अनुकरण करें, जो उन चेलों ने की थी, वहां पर बने रहे, जब तक आप पवित्र आत्मा से भर नहीं जाते।

169 और फिर यदि आप वचन के विपरीत हो जाते हैं, वो आत्मा जो आप में है उसके विपरीत जाता है जो वचन कहता है, तब यह पवित्र आत्मा नहीं है। यह शैतान है जो पवित्र आत्मा की नकल कर रहा है। आप देखते हैं कि हम इसमें कहां पर आ पहुंचे हैं? ओह, हम में से कुछ लोगों ने अन्य जुबान में बात की, हमारे पास चिल्लाने का समय और इस तरह की बातें थी, और इन सारी दूसरी चीजों का इन्कार किया। हमने हर एक चीज को अनुमति दी जो कि वचन में नहीं थी कि कलीसिया में आए। आज हम कहां पर आ गये है? हम दूसरे रेगिस्तान में वापस आ गए हैं, सूखे हुए संगठन। हमने संगठित किया, और हमारे जल को खो दिया। बिल्कुल ठीक यही है जो पेंटीकोस्ट ने किया। जब इसने संगठित होना आरंभ किया, तो इसने संगति को तोड़ना आरंभ कर दिया, और कहते हुए, "तो ठीक है, अब हम संगति नहीं करेंगे, यदि यह व्यक्ति *ऐसा* विश्वास करता है तो।"

170 आगे बढ़कर, उसके साथ बने रहो जब तक वह सच्चाई के वचन पर, सच्चाई के ज्ञान पर नहीं आता। यह जो भी है, कुछ भी हो, इसे जाने दो। केवल आगे बढ़ते रहे, भाइयों के जैसे बने रहे।

171 लेकिन, ओह, हमें संगठित होना था, और कहना था, "खैर, क्योंकि तुम वननेस वाले नहीं हो, क्योंकि तुम टूनेस, या थ्रीनेस वाले नहीं हो, या *इसी* तरह से, हमारी आप लोगों के साथ कोई संगति नहीं होगी।" फिर जब हम ऐसा करते हैं, तो हम क्या करते हैं? हम अपने आप को फिर से एक रेगिस्तान में वापस लेकर आते हैं। यह सही है!

172 लेकिन, याद रखें, जब इस्राएल मार्ग से भटक गया, प्रतिज्ञा किए गए देश के लिए जो मार्ग था, चट्टान ने उन्हें कभी भी नहीं छोड़ा; यह ठीक वहीं पर बना रहा, वैसे ही पानी भी बना रहा। वैसे ही पवित्र आत्मा है, ठीक वहीं पर बना हुआ है। हमें वापस भटकना नहीं है।

173 अब, यहाँ परमेश्वर हमें एक बड़ी बात को सिखाता है। परमेश्वर हमें यहां एक पाठ को सिखाता है। मसीह को एक बार प्रहार किया गया था, हमें एक पेंटीकोस्टल का अनुभव देते हुए, एक बार, सभी के लिए। अब, जब उस चट्टान पर प्रहार किया गया था, इसे फिर से प्रहार नहीं करना था। इसे केवल एक बार प्रहार किया गया था।

174 मूसा ने इसे दूसरी बार प्रहार करने के द्वारा गलती की, यह प्रायश्चित में उसके विश्वास की कमजोरी को दिखा रहा था। लेकिन जब मसीह पर एक बार प्रहार गया था, तो हम जानते हैं कि उसे फिर से प्रहार नहीं किया जाना है। तो, मूसा क्या कर रहा था? मूसा कुछ तो नया स्थापित कर रहा था, एक नई चीज को बनाने की कोशिश कर रहा था।

175 और इसी प्रकार से हमारे पादरी लोगों ने आज किया है। उन्होंने कुछ नया बनाने की कोशिश की है। "हम अपने आप को असेंबली ऑफ गॉड बनायेंगे। हम अपने आप को परमेश्वर की पेंटीकोस्टल चर्च ऑफ गॉड बनायेंगे। हम अपने आप को जनरल कौंसिल बनायेंगे। हम अपने आप को *यह, वह,* या *कुछ* और बनाएंगे।" यह ऐसा नहीं है जो परमेश्वर ने किया। उसका विचार ऐसा नहीं था।

176 मसीह को एक बार प्रहार किया गया था। यही मूल अनुभव है। यही मूल मार्ग है। पेंटीकोस्ट के दिन, पतरस ने कहा, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करो, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो।"

177 "हम 'पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा' के नाम में जल का छिड़काव करते हैं, सभी प्रकार के मत–सिद्धांतो को और इसके बारे में बाकी की हर एक चीज को देते हैं।" जब हम वचन से हट जाते हैं, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि हम कहीं नहीं पहुंच सकते। देखा?

178 परमेश्वर हमें एक पाठ को सिखाता है। मूसा को ऐसा नहीं कहना चाहिए था, "अब हम यहाँ कुछ तो नया आरंभ करेंगे, और हम संगठित हों जायेंगे और हम कैथोलिक कलीसिया को बनाएंगे।" यही पहली चीज है जो उन्होंने की। नहीं, फिर थोड़ी देर के बाद, "तो ठीक है, हम उसमें से हटकर कुछ तो नया आरंभ करेंगे, हम लूथरन को बनाएंगे।" उसके बाद एंग्लिकन आते हैं, और फिर बैपटिस्ट, और जो भी और है, और कैंपबेली, और चर्च ऑफ क्राइस्ट, और मसीह विरोधी, और अन्य सारी चीजे। देखो, उन्होंने सब एक के बाद एक, एक के बाद एक, संस्थाओ और संगठनाओ को बनाना आरंभ किया। ऐसा नहीं था। वहां देखिए वे क्या कर रहे हैं? वे फिर से चट्टान पर प्रहार कर रहे हैं, कुछ तो नया आरंभ करने के लिए। हमें एक नए सिद्धांत की आवश्यकता नहीं है।

179 बाईबल में हर एक मनुष्य ने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था। बाईबल में हर एक मनुष्य जिसने पवित्र आत्मा को पाया, परमेश्वर के मार्ग पर आता है, ठीक उसी तरह से जिस तरह से परमेश्वर ने इसे होने के लिए किया है। उन्होंने उसी काम को किया। उनके पास वही अनुभव था। उन्हीं चिन्हों ने उनका पीछा किया। वही कार्य उनके पीछे–पीछे आये। क्यों? वे चट्टान के पास रहते थे। उनके पास वही पानी था।

180 और, आज, हमारे पास इतने सारे संस्था और संप्रदाय हैं, क्योंकि हम कुछ नया आरंभ कर रहे हैं। हमें कुछ नये की आवश्यकता नहीं है। वापस जाये!

181 मूसा को चट्टान पर फिर से प्रहार नहीं करना चाहिए था, कि कुछ तो नया आरंभ करे। उसे उनसे मूल चट्टान के बारे में बात करनी चाहिए थी। ओह, मैं आशा करता हूं कि आप समझ गए होंगे! मूसा को मूल, प्रहार की हुई चट्टान के विषय में बोलना चाहिए था; ना ही इसे फिर से प्रहार करने की कोशिश करना था, ना ही एक नई चीज को आरंभ करने की कोशिश करना था, लेकिन पुरानी चीज के लिए बात करना था!

182 परमेश्वर, मेरी सहायता करे! यदि मैं पुलपिट में एक कंगाल मर जाऊं,

मैं तो मूल चट्टान के लिए ही बोलूंगा! मैं मूल अनुभव के लिए बोलूंगा। मैं उन मूल वचनों के लिए बोलूंगा जिसने उन्हें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिया, "पश्चाताप करो, तुम में से हर एक जन, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।" चट्टान से बहता हुआ प्रदान होने वाला जल अब भी हमारे साथ है। यह उसी चीज को लेकर आएगा। यह दर्शनो को लेकर आएगा। यह चंगाईयों को लेकर आएगा। यह भविष्यवाणियों को लेकर आएगा। यह उस हर एक चीज को लेकर आएगा जो उन्होंने की।

183 जब इस्राएल फिर से वापस वचनों में पंक्तिबद्ध हो गया, और वापस मार्ग पर आ गए, वे प्रतिज्ञा के देश की ओर आगे चले गए। लेकिन उन्हें चालीस वर्ष लग गये।

184 पेंटीकोस्ट को लगभग चालीस या पचास वर्ष हो गए थे, जंगल में इधर–उधर भटकते हुए। चट्टान की ओर वापस आ जाओ! यह दिखाई देती है। यहाँ यह है, ठीक यहाँ वचन पर लिखा हुआ है। पवित्र आत्मा यहां पर उसी चीज को कर रहा है जो उसने हमेशा से किया है, इसलिए जल का सदा की उपस्थिति यहां पर है। केवल इस की ओर वापस आ जाये, पहले वाले पर वापस आ जाये, जो मूल है। यह मूल में किस तरह से था?

185 "तो ठीक है, उन्होंने प्रचारक से हाथ मिलाया"? ऐसी कोई बात नहीं है। "उन्होंने 'पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा' के नाम में बपतिस्मा लिया था"? ऐसी कोई बात नहीं है। बाईबल में कोई भी व्यक्ति नहीं है, कहीं भी, या इसके बाहर, बाईबल के बाहर तीन सौ वर्ष में, जिसने कभी "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के नाम में बपतिस्मा लिया था। यह एक कैथोलिक मत–सिद्धांत है, ना कि बाईबल की शिक्षा। समझे?

186 उनके पास पवित्र आत्मा था। ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे गए जिन्होंने विश्वास किया। यह आज इसे फिर से करेगा। वो चट्टान बस वैसे ही हमेशा जीवित है, जैसे ये कभी थी, वह प्रहार की हुई चट्टान!

187 आइए हम ऐसा ना कहे, "तो ठीक है, अब आप यहां आकर और हमारे पेंटीकोस्टल कलीसिया से जुड़ जाए, हमारे पेंटीकोस्टल क्षेत्र में आ जाये।" "नहीं, आप यहाँ पर आकर और बैपटिस्ट में जुड़ जाए, या मेथोडिस्ट, या प्रेस्बिटेरियन, या कैथोलिक में।" यह क्या है? यह चट्टान पर फिर से प्रहार करना है, कुछ तो नया आरंभ करने की कोशिश करना है।

188 उन्हें बताएं, "पश्चाताप करो, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो," उनके पापों की क्षमा के लिए, "और विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" अब आप वापस मार्ग पर होते हैं, वापस उसी जल पर। वही जल उसी ताजगी को देगा। यह देह के लिए उसी कष्ट को देगा। यह उसी शुद्ध करने की सामर्थ को देगा। यह उसी चंगाई की सामर्थ को देगा। यह उसी काम को करेगा जो उसने तब किये थे, यदि हम केवल उसी आत्मा के पास वापस आ जाये।

189 दाखलता में का जीवन अंगूर को उत्पन्न करेगा। यदि यह पिछले वर्ष उत्पन्न हुआ, तो यह इस वर्ष भी उसी चीज को लेकर आएगा। यही परमेश्वर का एक नियम है। परमेश्वर का नियम यह है कि, यदि यह एक अंगूर की दाखलता है, तो इसे ऐसे ही रहने दे, यह अंगूर को ही उत्पन्न करेगा। आप इसे किसी और चीज़ के साथ आंतरिक रूप से प्रजनन कर सकते हैं, लेकिन उसके बाद इसे ऐसे ही छोड़ दें और यह फिर से ठीक उसी अंगूर में वापस आ जाएगा।

190 इसलिए हमने कलीसिया को पेंटीकोस्टलवाद के साथ, बैपटिस्टवाद के साथ, मेथोडिस्टवाद के साथ, प्रेस्बिटेरियनवाद के साथ, एंग्लिकनवाद के साथ—साथ, और हर दूसरे प्रकार के एक वाद के साथ आंतरिक रूप से प्रजनन किया है। आप इसे ऐसे ही क्यों नहीं छोड़ देते? दाखलता में वापस आये, यह उसी सामर्थ में वापस आ जायेगी। आमीन! आमीन! मैं यह पसंद करता हूं।

191 "कुछ तो नया आरंभ करते है।" इसी चीज को हमने किया है। हमारे अधिकार को दिखाने का प्रयास ना करें। "डॉक्टर *फलां–और–फलां* बड़ी *फलां–और–फलां* कलीसिया के संस्थापक है, *फलां–और–फलां* की कलीसिया।" ऐसा नहीं था।

192 यही है जो मूसा ने कहा, "मैं उन्हें दिखाऊंगा कि मैं क्या कर सकता हूं। कुछ भी हो, मैं इसे लाऊंगा!" उसने इस पर प्रहार किया, यह नहीं आया। वह फिर से चिल्लाता है, "दिखाता हूं कि मैं क्या कर सकता हूं!" परमेश्वर ने इस बात के लिए उसके साथ व्यवहार किया।

193 आप नहीं सोचना, यदि आप "बस किसी संप्रदाय को पकडे रहे।" परमेश्वर इस बात के लिए आपके साथ व्यवहार करेगा। यह बिल्कुल सही है। आपको उस मूल पर वापस आना होगा। वापस आ जाये।

194 बस लोगों से बात करें। (उन्हें ना बताये, "आप हमारी कलीसिया में जुड़ जाये। आप आकर हमारे मत–सिद्धांत को माने।") "आप वापस आकर और पश्चाताप करो, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो; और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे, यदि तुम्हारा ह्रदय सही है। और ये चिन्ह विश्वासियों के पीछे जायेंगे। विश्वासियों का एक झुण्ड, ये चिन्ह उनके साथ–साथ जायेंगे।" कारण क्यों? वह चट्टान, प्रहार की हुई चट्टान और उसका जीवन का जल ठीक उसमें से निकल रहा है, उसी चीज को उत्पन्न कर रहा है जो उसने वहां पहले उत्पन्न किया था। यह बस इसकी सहायता नहीं कर सकता। ओह, जी हाँ।

195 हम दिखावा करना चाहते हैं, और कहते हैं, "हम मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट हैं।"

196 केवल चट्टान से बात करें, वह सदा प्रदान करने वाला है। इसमें जुड़ने का यत्न ना करें। मैं यहाँ नीचे "जुड़ा" था। इसमें जुड़ने का यत्न ना करें। आप इसमें जुड़ नहीं सकते, यह एक बात तो निश्चित है। आप मेथोडिस्ट में जुड़ सकते हैं, आप बैपटिस्ट में जुड़ सकते हैं, आप पेंटीकोस्टल में जुड़ सकते हैं, आप एंग्लिकन में जुड़ सकते हैं, लेकिन आप इसमें जुड़ नहीं सकते। नहीं। आपको तो इससे भरना होगा। इसमें जुड़े नहीं; बस इससे भर जाये। ऐसा ही है। यह किस से भरा हुआ है? सामर्थ से भरा हुआ, आत्मा से भरा हुआ, जीवन से भरा हुआ, आनंद से भरा हुआ, शांति, सहनशीलता, सज्जनता, भलाई, आपके जीवन में पवित्र आत्मा की सामर्थ, क्योंकि वहां पर सनातन का प्रदान करने वाला है। याद रखें।

मुझे बंद करना होगा क्योंकि देर हो रही है।

197 लेकिन, याद रखें, उस चट्टान ने उन्हें कभी नहीं छोड़ा। इसने उन्हें कभी नहीं छोड़ा। और मसीह हमें कभी नहीं छोड़ेगा; मसीह ने कहा, "मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि संसार के अंत तक।" क्या यह सही है? और वह चट्टान होरेब से लेकर दूर नबो तक उनके साथ–साथ रही। यह साथ रही। वहां यरदन तक, यह अब भी वहां पर थी। हे परमेश्वर, मैं इसे यरदन पर देखना चाहता हूं!

198 मूसा, जब वह यरदन पर था, चट्टान सारे रास्ते भर उसके साथ में थी। और वह वहां पर खड़ा हुआ था, उन लोगों के एक—एक झुंड को देख रहा था, जो पीछे हट गए थे और परमेश्वर से दूर चले गए थे। उसका ह्रदय

उनके लिए तरस रहा था। और उसने यरदन के उस ओर देखा। वहां वह यरदन पर था। यरदन, मैं आत्मिक रीति से बात कर रहा हूं। और वहां पर वह खड़ा हुआ था, मृत्यु उसकी आस्तीन पर आ रही थी। लेकिन उसने देखा, वहां उसकी बगल में पडी हुई थी और वहां चट्टान रखी हुई थी। उसने बस चट्टान के ऊपर कदम को रखा, और दूत आ गए, उसे उठाकर ले गए।

199 "मैं तुझे कभी नहीं छोड़ूंगा और ना ही तुझे कभी त्यागूंगा।" कोई फर्क नहीं पड़ता कि समय कितना भी कठिन हो जाये, हम कितने बूढ़े हो जाये, हम किसी भी तरह की मृत्यु से मरे, याद रखें, चट्टान वहां यरदन पर होगी। यह कभी नहीं छोड़ेगा या कभी नहीं त्यागेगा। बस इसे याद रखें। चट्टान से सदा प्रदान होनेवाला जल जीवन भर हमारे साथ रहेगा, और यहां तक कि यरदन पर भी।

200 आइये अपने सिरों को झुकाये। [एक भाई एक प्रोत्साहन के शब्दो को देता है—सम्पा।]

201 जबकि वो आत्मा हमारे बीच में मंडरा रहा है, परमेश्वर का आत्मा हमारे बीच में मंडरा रहा है, क्या आज सुबह यहां ऐसे लोग होंगे जो मसीह को नहीं जानते हैं, और आप—आप उस चट्टान के नजदीक नहीं हैं, ना ही आज सुबह इससे बोलने की अवस्था में है? लेकिन आप जानते हैं कि यह उपस्थित है। इसकी ओर देखे यह हर कहीं कार्य कर रहा है, उसे इधर–उधर जाते हुए देखें, इसे लोगों पर मंडराते हुए देखें। यही सदा–प्रदान होने वाला जल है। यही उद्धार है। यही वो आत्मा है जो उनके प्याले को एक स्थान पर उमड़ने को लगाता है इतना तक कि वे अपनी ख़ामोशी को और अधिक समय तक रोके नहीं रख सकते, कुछ तो आगे आना है। और आप उसे नहीं जानते, क्या आप अपना हाथ उठाकर और कहना चाहेंगे, "मेरे लिए प्रार्थना करें, भाई ब्रंहम। अब मैं उसे जानना चाहता हूं। और मैं उसके साथ बोलना चाहता हूं, और मैं उसे उसकी आत्मा की परिपूर्णता के रूप में जानना चाहता हूं। मैं जानना चाहता हूं कि वह हर समय मेरे पास ही रहता है। मैं विश्वास करता हूं कि वह रहता है। लेकिन मैं बोलने की अवस्था में होना चाहता हूं। और मैं प्यासा हूं, और मैं परमेश्वर के लिए भूखा हूं। मैं उसे अच्छी तरह से जानना चाहता हूं"?

202 परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। और परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। और आपको, भाई। आपको, जी हाँ, वहां पर बहुत पीछे।

यहाँ नीचे, महिला, जी हां। जी हां, महिला। हम आपके हाथों को देखते हैं, और परमेश्वर उन्हें देखता है। परमेश्वर आपको आशीष दे, नौजवान। परमेश्वर आपको आशीष दे। और आपको, महिला। आमीन। परमेश्वर आपको आशीष दे। आपको आशीष दे, बहन। अब कोई और भी है, उस शांत क्षण में। परमेश्वर आपको आशीष दे, वहां पीछे, युवा व्यक्ति।

203 इस पर सोचे। इस पर सोचे, चट्टान से सदा प्रदान होने वाला जल, वही आत्मा; कि वो उसके लिए न्याय के दिन वहां पर चिल्ला उठा, जब उसने हमारे न्याय को ले लिया। और परमेश्वर के क्रोध की लाठी ने उस पर प्रहार किया, और आपके पाप उस लाठी में लपेट लिए गये थे, और उस पर प्रहार किया, और उसका लहू और पानी उसमें से फूट निकला। उसने कहा, "पिता, मैं अपने आत्मा को तेरे हाथों में सौंपता हूं।" और पेंटीकोस्ट के दिन पर, यह यात्रा में से होते हुए हमारे साथ जाने के लिए आया। और यह अब बहुत ही निकट है।

204 क्या आप यह नहीं कहना चाहेंगे, "मैं घर से बहुत ही दूर भटक गया हूं, प्रभु, मैं घर आ रहा हूं"? जबकि हम इसे गाते हैं, यदि आप वेदी पर चलकर आना चाहते हैं और अपने प्राण का भी मसीह के लिए फिर से अर्पण करना चाहते हैं? आमीन।

मैं परमेश्वर से बहुत दूर भटक गया हूं, (मार्ग से हट गया हूं।)
अब मैं घर आ रहा हूं;
वो मार्ग जो (अविश्वास का है, आप देखिये।) मैं बहुत ही दूर चला आया हूं,
प्रभु, मैं घर आ रहा हूं।

घर आ रहा हूं, घर आ रहा हूं,
ना ही कभी भी भटकने के लिए;
अपनी प्रेम की बाहों को फैलाये,
अब, प्रभु, मैं घर आ रहा हूं।

205 [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं, *प्रभु, मैं घर आ रहा हूं*—सम्पा।]

206 तीन छोटे लड़के अभी सीधे बाहर निकल कर आये हैं, बहुत तेजी से, उनकी आंखों में आंसू को लिए हुए, वेदी के किनारे घुटने टेके हुए हैं। निश्चय ही, उन्हें क्षमा किया गया है। उन्हें क्षमा कर दिया गया था, इससे पहले कि

वे अपने सीट को छोड़ते, जब उन्होंने उनका छोटा सा मन बना लिया था। वे बस आगे आए और यहां घुटनो को टेका, ताकि लोग यह जान जाए कि इस सुबह को वे किसके पक्ष में हैं।

207 मैं सोचता हूं कि वहां कुछ बड़े उम्र के लोग होंगे जो इसे करना चाहेंगे, अब जैसे कि मैं घुटने टेकता हूं, और कहता हूं, "प्रभु, मैं—मैं मार्ग से बहुत दूर भटक गया हूं। मेरे पास बहुत सारा संदेह था, और कभी–कभी मैं बाहर भटकता था और पाप में पड़ जाता था। अब मैं—मैं वापस आना चाहता हूं, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। परमेश्वर, मैं—मैं आना चाहता हूं। मैं बस वास्तव में आकर और घुटने टेकना चाहता हूं।" आमीन।

208 अब, आर्थर बीम की तीन छोटी लड़कियां, लगभग एक ही डील–डौल की, उन्होंने यहाँ आगे आकर, घुटनों को टेका है।

209 आगे आती हुई एक छोटी लड़की जिसके घर पर हाल ही में एक छोटे से नये भाई का जन्म हुआ है। उस दिन मैं बस ऐसे ही बैठा हुआ था; श्रीमती वुड ने आकर और मुझे बताया, कहा कि यह बहन बालक को जन्म देने के लिए अस्पताल जा रही है। पवित्र आत्मा ने कहा, "जाकर उन्हें बताओ कि यह एक लड़का होगा।" जब इसका जन्म हुआ था, यह एक छोटा लड़का था।

210 ऐसा दिखाई देता है कि आज सुबह बच्चे ही हैं, वे छोटे बच्चे बहन अर्नोल्ड की छोटी कक्षा से बाहर आ रहे थे, अपने जीवन को समर्पित कर रहे थे। सारी वेदी, मेरी दाहिनी ओर, छोटे बच्चों से भरी हुई है।

211 यह अच्छा होगा यदि हम एक स्तुती के गीत को गाए, वेदी, बाकी के लोगों के लिए, बड़ों के लिए।

अब, प्रभु, मैं घर आ रहा हूं।

घर आ रहा है... (... ? ...)

ना ही अब कभी भी भटकने के लिए;
अपनी प्रेम की बाहों को फैलाये,
अब, प्रभु, मैं घर आ रहा हूं।

212 आइए हम अपने सिरों को प्रार्थना के लिए कुछ क्षण के लिए झुकाएं, इन छोटे बच्चों के लिए।

213 स्वर्गीय पिता, यदि कोई आने वाला कल है, यदि यीशु दस या पंद्रह वर्षों के लिए और रुके रहता है, ये वे लड़के और लड़कियां होंगे जो इस संदेश को साथ लेकर आगे आने वाली अन्य पीढ़ियों के लिए ले जायेंगे। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है, प्रभु, लेकिन उनके जीवन के सारे दिनों में वे इस वेदी पर आने की बात को याद रखेंगे। और वे छोटे रत्न है, प्रभु। उनके छोटे और कोमल हृदय आज सुबह दोषी हैं। यहां तक कि वे सारे संदेश को भी नहीं सुन रहे थे; बस कमरे से बाहर आये, वे हमारी बहन अर्नोल्ड को बोलते हुए सुन रहे थे; यहां वेदी के चारों ओर आगे बढे, अपने छोटे से जीवन को आपके लिए दे रहे हैं।

214 अब, पिता, मैंने अभी–अभी बोलते हुए कहा है कि हम में पवित्र आत्मा वास करता है। और यह पवित्र आत्मा, इस आत्मा के साथ विश्वास, सारी चीजों को करता है। और मैं विश्वास करता हूं कि इसी घडी में, आपने हर एक पाप को क्षमा किया है जो उन्होंने किया है। और मैं आपसे पूरे विश्वास के साथ मांगता हूं जो मेरे हृदय में है, कि आप उनके छोटे से जीवन को मार्ग में से होते हुए बनाए रखेंगे। होने पाए वे मार्ग से कभी ना भटके।

215 यह वास्तव में विचित्र बात है। आत्मा ने आज सुबह कहा, हम "अजीब सा कुछ तो देखेंगे।" परमेश्वर, यदि आप दूसरों के साथ व्यवहार नहीं कर रहे है, तो छोटे बच्चों को ले। किस तरह से आज सुबह, वेदी की बुलाहट में, वहां एक भी वयस्क नहीं है, लेकिन छोटे बच्चों का पूरा झुण्ड ऊपर आया। जब कि, यह कठिन समझ का एक महान संदेश था, यहाँ तक कि वयस्कों के लिए भी, लेकिन बच्चों ने इसकी आत्मा को पकड़ लिया। हम आपको उनके लिए धन्यवाद देते हैं, पिता। मैं उन्हें आपको देता हूं, आपके दास के रूप में, इस सभा के लिए विजय चिन्ह के रूप में; क्योंकि, यह स्मरण करते हुए कि जीवन के जल की सदा उपस्थिति उनके साथ बहती रहेगी जब तक वे जीवित है। होने पाए उनके पास अब विश्वास हो कि क्या घटित हो रहा था, कि परमेश्वर जिसने उन्हें सीट पर से खींच लिया और उन्हें यहां आगे भेजा, होने पाए कि वे अपने जीवन के सारे दिनों में उस परमेश्वर में विश्वास करें। होने पाए उनकी छोटी–छोटी आत्माएं उनकी मृत्यु के दिन आपके पास लाई जाये; पुनरुत्थान के दिन में उनके शरीर में वापस लायी जाए। वे आपके हैं, पिता। हम उन्हें आपको यीशु के नाम में से होते हुए देते हैं।

216 जबकि हमारे सिर झुके हुए हैं। मैं वेदी पर इन सभी छोटे बच्चों से पूछने जा रहा हूं, जो विश्वास करता है कि यीशु तुम्हारा उद्धारकर्ता है और वो ही एक है जिसने तुम्हें वहां पीछे सभा के लोगों में बताया, कि यहां आकर और इस वेदी के चारों ओर घुटने टेको। क्या तुम विश्वास करते हो कि यीशु आपसे प्रेम करता है और तुम्हारे पापों को क्षमा करता है? मैं चाहता हूं कि आप सब अपने पैरों पर खड़े हो जाएं और यहां पीछे सभा के लोगों की ओर देखें। यह, इसी प्रकार से आप लोगों को बता सकते हैं कि आप विश्वास करते हैं कि यीशु आपको बचाता है। अब अपने पैरों पर खड़े हो जाये, यह ठीक है, और ठीक पीछे सभा के लोगों की ओर देखे। आप सभी छोटे लड़के और लड़कियां जो यीशु से प्रेम करते हैं, खड़े होकर और पीछे की ओर वहां की सभा की ओर देखें, आप में से हर एक जन।

217 आप छोटी लड़कियों के बारे में क्या है जो यहां सामने है? क्या आप विश्वास करती हैं? क्या आप यीशु से प्रेम करती हैं? यहां ये छोटी लड़कियां, क्या आप यीशु से अपने पूरे ह्रदय से प्रेम करती हैं? क्या आप? आप उससे प्रेम करती हैं? आप उससे प्रेम करती हैं, प्रिय? यहां खड़े जाए, लोगों को जानने दो कि आप यीशु से प्रेम करते हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

218 अब हम *इस* ओर घूमेंगे और जाने से पहले इन लोगों के लिए गाएंगे, "यीशु मुझसे प्रेम करता है! यह मैं जानता हूं, बाईबल मुझे ऐसा बताती है।" देखा? आइए हम अपने हाथों को ऊपर उठाये जैसे कि हम इसे अब गाते हैं। तो ठीक है, आइये इसे गाये।

यीशु मुझसे प्रेम करता है! यह मैं जानता हूं,
क्योंकि बाईबल मुझे ऐसा बताती है;
छोटे बालक जो उसी के हैं,
वे निर्बल हैं...

219 अब अपने हाथ को ऊपर उठाये... ? ... हम सब एक साथ:

जी हां, यीशु मुझसे प्रेम करता है,
जी हां, यीशु मुझसे प्रेम करता है,
जी हां, यीशु मुझसे प्रेम करता है,
बाईबल मुझे ऐसा बताती है।

220 अब आप सब मेरे पीछे दोहराये: मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह

परमेश्वर का पुत्र है। आज, मैं उसे अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करता हूं। आज के दिन से लेकर, मैं उससे प्रेम करूंगा और उसकी सेवा करूंगा। आमीन।

221 [भाई बेन ब्रायंट कहते हैं, "भाई ब्रंहम, इस समय मेरे मन में चार बालक है। क्या आप कृपया उनके लिए प्रार्थना करेंगे? "—सम्पा।] निश्चय ही, भाई बेन।

222 स्वर्गीय पिता, यह व्यक्ति दूसरे छोटे बालकों को मसीह के पास आते हुए देखता है, और वह एक पिता की नाई चिल्ला उठता है, अपने ही छोटे बच्चो के लिए। और वो आत्मा जो इन छोटों को वेदी पर लेकर आया, होने पाए वही आत्मा उसके बच्चों को बचाये, प्रभु। इसे प्रदान करें। हम उन्हें आपको देते हैं, पिता, यीशु मसीह के नाम में।

223 अब जब कि आप छोटे बच्चे अपनी सीट पर वापस जाते हैं, मैं चाहता हूं कि पंक्ति में हर कोई इन छोटे बच्चों से हाथ मिलाए, या जब वे वापस जाते हैं तो उन्हें थपथपाएं। आप सब अपनी–अपनी सीटों पर वापस चले जाये, *इस* ओर से। और वहां हर एक जन को बस छोटे बच्चों को थपथपाने दो। और हम आपको अपने पूरे ह्रदय से प्रेम करते हैं। आप मसीह की देह के सदस्य है, बस इसमें उतने ही है जितना कि हम बाकी के लोग है।

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर की ओर सिय्योन की तरफ आगे बढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का वह सुंदर नगर।

आओ, हम जो प्रभु से प्रेम करते हैं,
और हमारे आनंद को ज्ञात होने दो,
गीत में मधुर संगति के साथ जुड़ें,
गीत में मधुर संगति के साथ जुड़ें,
और इस प्रकार सिंहासन को घेर ले,
और इस प्रकार घेर...

यह बहुत ही अच्छा गायन है! आइये अब अपने हाथो को उठाये।

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर की ओर सिय्योन की तरफ आगे बढ़ रहे हैं,

परमेश्वर का वह सुंदर नगर।

आइए हम एक दूसरे से हाथ मिलाये जब हम अब गाते हैं।

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर की ओर सिय्योन की तरफ आगे बढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का वह सुंदर नगर।

224 अब आइए हम अपने सिरों को झुकाए हुए खड़े रहे, जबकि हम... इसे बजाएं भाई टेडी, बस एक...

225 मेरे पास यहां कुछ विनंतीयां आई है, और रूमाल और इत्यादि है। वे हो सकता है बाहर देश से आयी हो। बिली मुझे बता रहा था कि उनके पास इंग्लैंड में एक छोटे से बच्चे की एक छोटे से जुते की जोड़ी थी, जो लगभग *इतनी* सी लंबी थी, वो छोटा सा बालक पूरी तरह से अपंग हो गया है। और इसलिए हमें उसके लिए भी प्रार्थना करनी थी।

226 और इसलिए... [भाई बेन ब्रायंट कहते हैं, "भाई ब्रंहम, कृपया मुझे बीच में बालने के लिए क्षमा करें, लेकिन यह भी प्रार्थना करें, जिसने कल रात हमारी कार को टक्कर मार दी, मेरे दाहिने सामने के मटघाट पर, प्रार्थना करें कि यह प्रकट हो जाए। प्रार्थना करें कि प्रभु इसे प्रकट करे।"—सम्पा।] आमीन, भाई बेन, मैं निश्चय ही ऐसा करूंगा। [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं *हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं*।]

227 जब हम आगे बढ़ते हैं, प्रभु, हम जानते हैं कि प्रहार की हुई चट्टान ठीक हमारे साथ–साथ है, चट्टान से सदा प्रदान होने वाला जल कलीसिया के साथ जाता है। हे अनंत परमेश्वर, आज सुबह हमारे लिए, इस परमेश्वर में विश्वास को खोल दे जो हमारे साथ है। मैं जानता हूं कि आप करेंगे, बस जैसा कि हम आपके साथ समर्थन को पा सके, कि आप इसके साथ हम पर भरोसा कर सकते हैं। यदि आप इसे हमें बहुतायत में देते हैं, तो हम इसका दुरुपयोग कर सकते हैं, प्रभु। लेकिन यदि हम आपके साथ अनुग्रह को पाते हैं, तो इसे होने दीजिये।

228 हमारे भाई ने कहा कि किसी ने उसकी कार को टक्कर मार दी। हे परमेश्वर, हम जानते हैं कि मनुष्य के पास इन चीजों को ठीक करने के लिए पैसा नहीं है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उस व्यक्ति को अपराध अंगीकार के नीचे लाएंगे, या ऐसा ही कुछ तो, वह ऐसा करने के लिए

पश्चाताप कर सके, आकर, कहे, "भाई, मैं आपकी कार को ठीक कर दूंगा, मैंने ही इसे किया है।" भाई बेन और उनके प्रियजनों की सहायता करें।

229 यहाँ मेरे हाथ में रूमाल और विनंतियां है, उस परमेश्वर में विश्वास है। मूसा को उस परमेश्वर में विश्वास था, और उसने समुद्र को पार किया। दानिय्येल को उस परमेश्वर में विश्वास था, और उसे सिंहों की मांद से बाहर लाया गया था। शद्रक, मेशक और अबेदनगो ने उस पर विश्वास किया था, और आग को बुझा दिया।

230 पौलुस को उस पर विश्वास था, और एक दिन जब सभाओ को करना वास्तव में कठिन था और पौलुस हर किसी के पास नहीं जा सकता था, उसने बस एक रूमाल लिया, उसने कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर मेरे साथ है।" उसने अपने हाथों को रुमालों और वस्त्रों पर रखा, और दुष्ट आत्माएं लोगों में से निकल गई, और उनमें से बीमारियां और रोग दूर हो गए। परमेश्वर, मुझे उसी परमेश्वर में विश्वास है। होने पाए दुष्ट निकल जाए। बीमारियाँ, रोग, और कष्ट, होने पाए यह दूर हो जाये, प्रभु।

231 आप वही परमेश्वर है जिसने मुझसे वहां उस अग्नि स्तंभ में नीचे नदी पर बात की। आप ही वो एक है जिसने आपकी तस्वीर जो लिया यहां मेरे साथ दीवार पर टंगी हुई है। आप हमारे साथ है, प्रभु। आप सदा उपस्थित है, वही अग्नि का स्तंभ। और हमने हर एक दिन चट्टान के जल का आनंद लिया है, जब हम आत्मा में जुड़ते हैं। तब, आप यहां पर है। हमें आप पर भरोसा है, प्रभु। हमें आप पर विश्वास है। हम विश्वास करते हैं कि आप हमारा अभिषेक करेंगे और हमारी सहायता करेंगे। ना ही हमारी महिमा के लिए, प्रभु; तब तो हम मूसा के समान होंगे, जब उसने गलत काम को किया। हम कुछ करना चाहते हैं आपकी सहायता के लिए, प्रभु। हमारे ह्रदय का यही उद्देश्य है, आपकी सहायता करें, यदि हम इसे कर सकते हैं। आप हमें दिखाये, पिता, जो कुछ भी आप हमसे करवाना चाहते हैं।

232 और अब, विश्वास के कार्य पर, मैं उस बीमारी को दोषी ठहराता हूं जिसका ये रूमाल प्रतिनिधित्व करते हैं, और ये विनंतीयां। वे लोगों को छोड़ दें। मैं जानता हूं कि आप इसे करेंगे, प्रभु। मैं इसे अपने ह्रदय में विश्वास करता हूं, कि आप इसे करेंगे। इस प्रातः हमारे मध्य में सारी बीमारियों को चंगा करें।

233 उन लोगों को बचाये जिन्होंने अपने हाथ को उठाया है, जिन्होंने कहा कि वे जल के लिए चट्टान के पास आना चाहते हैं। परमेश्वर, होने पाए वे आज इतने प्यासे हो, होने पाए उनके चारों ओर ऐसा नमकीन जीवन हो, इतना तक कि यह उन्हें मसीह के लिए प्यासा कर दे। इसे प्रदान करें।

234 आज रात्रि हमारे साथ होना, पिता। हे परमेश्वर, मैं इन विनंतीयों के जरिये से पता लगाऊं, कि लोगों के ह्रदय में क्या है। यदि उनके ह्रदय में कुछ भी नहीं है, तब, प्रभु, आप मुझे आज रात उनके ह्रदय में प्रचार करने के लिए कुछ दीजिये।

235 हमारे भाई नेविल, और उनकी पत्नी, उनके परिवार को आशीषित करें; हमारी छोटी कलीसिया, हमारे खजांची, हमारे डिकन, हमारे सदस्यो को। और आपकी देह जो हर कहीं है, हमारे साथ होना, पिता। हम इसे आपके हाथों में सौपते हैं, यीशु मसीह के नाम में।

... सिय्योन;
हम ऊपर की ओर सिय्योन की तरफ आगे बढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का सुंदर नगर।

अब आइए इसे गाए, वास्तव में, सचमुच में अब उसके लिए। समझे?

आओ, हम जो प्रभु से प्रेम करते हैं,
और हमारे आनंद को ज्ञात होने दो,
मधुर संगति के गीत में जुड़कर,
मधुर संगति के गीत में जुड़कर,
और इस प्रकार सिंहासन को घेरे हुए,
और इस प्रकार सिंहासन को घेरे हुए।

अब हमारे झुके हुए ह्रदय के साथ।

हम सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं,
सुंदर, सुंदर सिय्योन;
हम ऊपर की ओर सिय्योन की तरफ बढ़ रहे हैं,
परमेश्वर का सुंदर नगर।

61-0723M चट्टान से सर्वदा प्रदान होने वाला जल
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org